CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-88
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार, 03 जून 2024

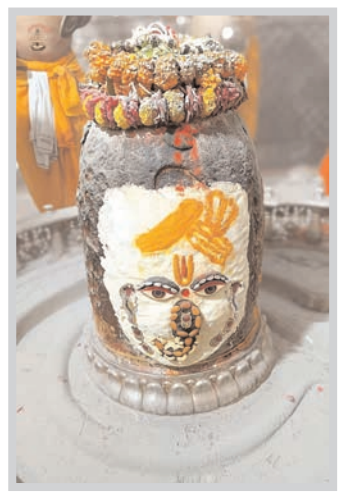

आज का विचार

हम अपनी आशा से मनुष्य के ज्ञान का न्याय करते हैं

सिंगल कॉलम

पर्याप्त नौकरियां देने में नाकाम रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। भारत में वर्तमान में बेरोजगार सभी लोगों को रोजगार देने के लिए अगले पांच सालों में ढाई करोड़ से अधिक नौकरियों की आवश्यकता है। देश में बेरोजगारी की स्थिति पर भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने द हिंदू में लिखे एक लेख में यह आंकड़ा दिया है। साथ ही, कहा है कि मोदी सरकार पर्याप्त नौकरियां देने में कामयाब नहीं रही है। लेख के मुताबिक, नरेंद्र मोदी सरकार ने दावा किया है कि जीडीपी के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले साल 8त्न की गति से बढ़ी है। अगर यह दावा सच भी है तो भी इससे भारत में मौजूदा बेरोजगारी के हिसाब से पर्याप्त संख्या में नौकरियां पैदा नहीं हुई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 15 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 2021 में 4.2त्न थी जो 2023 में गिरकर 3.1त्न हुई है, लेकिन यह 8त्न की जीडीपी वृद्धि दर के अनुरूप नहीं है। पिछले दो दशकों में अमीरों और गरीबों के बीच का अंतर काफी बढ़ गया है। इसके अलावा आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा के शासनकाल में पिछले एक दशक में धन की असमानता में भी वृद्धि हुई है। भारत की लगभग 1त्न आबादी के पास अब देश की 40त्न संपत्ति है। यह किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए भयानक है। देश में रोजगार के बाजार की स्थिति हाल ही में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट से भी समझी जा सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार नियमित कामगारों की मासिक आय के हिसाब से आंकड़ा इस चार्ट में देखा जा सकता है। इसके मुताबकि 20 हजार से ज्यादा आय वाले कामगार 15 फीसदी से भी कम हैं।

जुलाई में देशभर में सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। जून में बारिश में कमी के बाद अब जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में 'सामान्य से ज्यादा बारिश' देखने को मिल सकती है। पूर्वोत्तर, पूर्वी यूपी और पश्चिमी बिहार में ही इस महीने सामान्य से कम बारिश देखने को मिलेगी। इस बीच दक्षिण पश्चिम मॉनसून ने तय समय से 6 दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया है। आम तौर पर 8 जुलाई तक मॉनसून पूरे देश को कवर करता है। पिछले महीने जहां कम बारिश हुई और वह 123 साल का सबसे गर्म जून था लेकिन इस महीने खूब झमाझम बारिश का अनुमान है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, जून में 1901 के बाद से उत्तर-पश्चिम भारत इस साल सबसे ज्यादा गर्म रहा। जुलाई में सामान्य से ज्यादा बारिश का पूर्वानुमान अच्छी खबर है क्योंकि इसी महीने में खरीफ के फसलों की बुवाई, रोपाई होती हैं। आईएमडी के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भारी बारिश का अनुमान है। दिल्ली में बारिश के साथ तूफान आने, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 76 प्रतिशत दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, भारी बारिश को एक दिन में 64.5 से 124.4 मिलीमीटर के बीच बारिश के रूप में परिभाषित किया जाता है।

भोजशाला का राज खुलने में होगी देर, फंसा पेंच

इंदौर। 22 मार्च से धार भोजशाला का सर्वे कर रही आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम ने इंदौर हाईकोर्ट में रिपोर्ट सब्मिट करने के लिए 4 हफ्तों का समय मांगा है। इस मामले में 4 जुलाई को सुनवाई होनी है। जैन समाज की ओर से लगाई गई याचिका को स्वीकार या अस्वीकार करने का फैसला भी 4 जुलाई को होगा। इसी बीच जानकारी मिली कि मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की अवमानना की अर्जी भी दाखिल की है। अर्जी में धार शहर काजी वकार सादिक का दावा है कि सर्वे लीगल तरीके से नहीं हुआ। धार भोजशाला मामले में एएसआई का सर्वे पूरा हो गया है। 4 जुलाई को मामले में सुनवाई होगी। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि भोजशाला प्रवेश द्वार के दोनों तरफ के ओटले हटा दिए हैं। ये हाईकोर्ट की भी अवमानना है। कोर्ट ने वैज्ञानिक सर्वे के लिए कहा था। फिजिकल एग्जीबिशन के लिए मना किया था, जिससे धार्मिक इमारत का स्वरुप बदले, लेकिन एएसआई के द्वारा आदेश का उल्लंघन किया गया। इसे लेकर कोर्ट की अवमानना की अर्जी दाखिल की गई, जिसके एडवांस नोटिस भी 20 दिन पहले जारी हुए अब जानकारी मिली की एएसआई को नोटिस मिल चुके हैं।

प्रमोशन के लिए बंद करें प्रचार...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने हाईकोर्ट के जजों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ जज समय पर कोर्ट नहीं आते हैं और सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति के लिए सिफारिश लगवाते हैं। जस्टिस गवई ने 29 जून को कोलकाता में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी कॉन्फ्रेंस में ये बातें कहीं। जस्टिस गवई ने कहा कि जब से वे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा बने हैं, उन्हें कई परेशान करने वाली घटनाएं देखने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि कुछ हाई कोर्ट में जज समय पर कोर्ट रूम में नहीं बैठते हैं। जस्टिस गवई ने कहा, यह जानकर हैरानी होती है कि कुछ जज 10:30 बजे की बजाय 11:30 बजे कोर्ट में बैठते हैं और 1:30 बजे की बजाय 12:30 बजे उठ जाते हैं।

हाथरस में सतसंग के बाद भगदड़ में 122 की मौत

एफआईआर में बाबा का नाम नहीं, कुछ देर में पहुंचेंगे सीएम योगी

नई दिल्ली।यूपी के हाथरस में सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 122 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, प्रशासन ने अब तक 121 मौत की पुष्टि की है। मंगलवार देर रात 22 लोगों के खिलाफ सिकंदराराऊ थाने के दरोगा ने FIR दर्ज कराई है। इसमें मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर का नाम है। बाकी सब अज्ञात हैं। इसमें सबसे बड़ी बात ये है कि भोले बाबा उर्फ हरि नारायण साकार का नाम ही नहीं है। उधर, वकील गौरव द्विवेदी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर CBI जांच की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सवा लाख से अधिक लोग सत्संग में मौजूद थे। बाबा के काफिले के जाने के बाद जैसे ही सेवादारों ने श्रद्धालुओं को जाने के लिए कहा, तो वहां अचानक भगदड़ की स्थिति बन गई। जो श्रद्धालु गर्मी सहन नहीं करने के चलते जमीन पर गिर पड़े और बैठ गए थे, खासकर महिलाओं और बच्चों के ऊपर से लोग गुजरते गए और उन्हें उठने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में लोग बेहोश हो गए। भगदड़ में 122 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के वक्त मौके पर मौजूद पुलिस बल और कार्यक्रम में आये लोगों ने कार्यक्रम स्थल के पास खेत में बने दलदल में फंसे लोगों को बाहर निकाला और लोगों की मदद से उन्हें सीएचसी सिकंदराराऊ भिजवाया। शुरुआत में सीएचसी पर एक ही बार में 25 शव लाये गये, लेकिन धीरे धीरे यह आंकड़ा एक साथ तेजी के साथ बढ़ता गया। एक साथ तमाम लोग घटना स्थल पर बेहोश हुए तो ऐसे में पुलिस प्रशासन के पास उन्हें अस्पताल तक लाने के भी कोई इंतजाम नहीं थे। लिहाजा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद मैक्स, बस और अन्य वाहनों से लोगों को सीएचसी तक लाया गया। लिहाजा धीरे धीरे मौतों का आंकड़ा तेजी के साथ बढ़ता चला गया।

देर रात तक कवायद

आगरा-अलीगढ़ मंडल के आला अफसर देर रात तक हाथरस और सिकंदराराऊ में घायलों के उपचार, अपनों की तलाश में भटक रहे लोगों की सहायता के साथ ही मृतकों के शव सम्मानपूर्वक उनके परिजनों के सुपुर्द करने की कवायद में जुटे रहे। इस दौरान बारिश के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भीड़ और गर्मी के कारण लोग बेहोश होने लगे तो मची भगदड़ जमीन पर गिरे लोगों को कुचलते हुए निकलने लगे अन्य लोग

इन राज्यों से भी पहुंचे थे भक्त

राजस्थान, मध्यप्रदेश के साथ ही यूपी के विभिन्न जनपदों से आए लोग अपने साथियों और अपनों को खोजने में जुट गए। सिकंदराराऊ सीएचसी के साथ ही हाथरस, कासगंज और एटा के अस्पतालों की ओर लोग घायलों को लेकर दौड़ पड़े। एक साथ इतने लोगों के आने से अस्पताल में अफरातफरी मच गई। इंतजामों के अभाव में कई लोगों की सांसें थम गईं। अस्पताल परिसरों में मृतकों के बीच अपनों की तलाश में रोते-बिलखते लोगों को देखकर हर किसी की रूह कांप उठी।

80 हजार कीअनुमति आई लाखों की भीड़

सत्संग में प्रशासन ने 80 हजार लोगों की भीड़ की अनुमति दी थी, लेकिन यहां लाखों की भीड़ एकत्रित हो गई। घटना स्थल पर मंगलवार की रात पहुंचे डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि अनुमति केवल 80 हजार की थी। भीड़ इतनी किस तरह से एकत्रित की गई। इसकी जांच होगी। साथ ही यह भी कहा कि आयोजकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

18 साल पहले पुलिस की नौकरी छोड़ी, करने लगे प्रवचन

सत्संग में हुई भगदड़ के बाद अब लोगों के मन में एक ही सवाल उठने लगा है कि आखिर वो भोले बाबा कौन हैं, जिनका प्रवचन सुनने के लिए इतनी भारी संख्या में श्रद्धालु हाथरस पहुंचे थे। बतादें कि भोले बाबा का ये सत्संग पश्चिमी यूपी के लोगों में ज्यादा विख्यात है। भोले बाबा का सत्संग अक्सर पश्चिम के जिलों में देखने को मिल जाता है, जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। भोले बाबा के आज लाखों की संख्या में अनुयायी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भोले बाबा के नाम से प्रसिद्ध संत का असली नाम सूरज पाल है। अब उन्हें उनके अनुयायी विश्व हरि भोले बाबा के नाम से जानते हैं। भोले बाबा मूल रूप से कासगंज के पटियाली गांव के रहने वाले हैं। इन्होंने पटियाली में अपना आश्रम बनाया है। संत बनने से पहले भोले बाबा यूपी पुलिस की नौकरी करते थे। 18 साल पहले इन्होंने नौकरी करने के बाद वीआरएस ले लिया था। इसके बाद अपने गांव में झोपड़ी बनाकर रहने लगे। इसके बाद भोले बाबा ने गांव-गांव जाकर भगवान की भक्ति का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया। इस दौरान उसे खासा चंदा भी मिलने लगा, जिसके बाद जगह-जगह सत्संग का आयोजन करने लगा। देखते ही देखते भोले बाबा की पूरी लाइफ स्टाइल ही बदल गई। आज भोले बाबा के लाखों की संख्या में अनुयायी हैं। इनके जगह-जगह सत्संग के आयोजन होते रहते हैं, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रवचन सुनने के लिए पहुंचते हैं।

पैंट सूट पहनकर सिंहासन पर बैठकर सुनाते हैं प्रवचन

नारायाण साकार हरि के नाम से प्रसिद्ध सूरज पाल उर्फ भोले दूसरे संतों से बिल्कुल अलग दिखते हैं। उनकी लाइफ स्टाइल भी दूसरे संतों से मेल नहीं खाती है। आमतौर पर संत धोती कुर्ता पहने नजर आते हैं लेकिन ये ऐसे संत हैं जो हमेशा सफेद रंग के पैंट शर्ट में ही दिखते हैं। सिंहासन पर बैठकर प्रवचन सुनाते हैं। भोले बाबा के अनुयायी ज्यादातर गुलाबी शर्ट-पैंट और सफेद टोपी पहनते हैं। भोले बाबा भक्तों को मोहमाया से ऊपर उठकर भगवान की भक्ति में लीन होने का ज्ञान देते हैं। संत सूरज पाल उर्फ भोले बाबा के अनुयायी केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि दूसरे राज्य राजस्थान, मध्यप्रदेश में भी बड़ी तादाद में हैं। जहां भी उनका सत्संग होता है उनके अनुयायी ही पूरी व्यवस्था संभालते हैं।

हिंदू और हिंसा पर पीएम मोदी ने राहुल गांधी को दिया स्वामी विवेकानंद वाला जवाब

हिंदू हिंसक होते हैं, यह आपका चरित्र और आपकी सोच है

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं को हिंसा से जोड़ने वाले राहुल गांधी के बयान पर लोकसभा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आज गंभीर साजिश हो रही है। यह कहा गया कि हिंदू हिंसक होते हैं। यह आपका चरित्र है और आपकी सोच है। इस देश के हिंदुओं के साथ ऐसे कारनामे हो रहे हैं। यह देश सहनशील है तो इसकी वजह हिंदू हैं। कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की कल्पना है, उसके विनाश की घोषणा की गई थी। पूरा बंगाल शक्ति की उपासना करता है। पूरा देश आस्था रखता है और आप उस शक्ति के विनाश की बात करते हो। इन लोगों ने हिंदू आतंकवाद शब्द गढ़ने की कोशिश की थी। इनके साथी हिंदू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया जैसे शब्दों से कर चुके हैं। ये लोग गालियां दे रहे हैं। यह देश कभी माफ नहीं करेगा। हम बचपन से सीखते हैं और देश का बच्चा-बच्चा

जानता है कि ईश्वर का हर रूप दर्शन के लिए होता है। उसका स्वरूप निजी स्वार्थ साधने के लिए प्रदर्शन करने को नहीं होता।

निजी राजनीतिक स्वार्थ के लिए ईश्वर के रूपों का इस तरह से प्रदर्शन हो रहा है। इसे देश कैसे माफ कर सकता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने उनकी बात को माना था। स्वामी जी ने दुनिया को सहिष्णुता का संदेश दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज यदि भारत में लोकतंत्र है और सहिष्णुता है तो इसकी वजह है कि देश में हिंदू समाज बहुसंख्यक है। पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों ने तो हिंदू आतंकवाद जैसी शब्दावली भी गढ़ दी थी। कांग्रेस के इस रवैये को देश की जनता माफ नहीं करेगी। दरअसल राहुल गांधी ने सोमवार को अपने भाषण के दौरान भगवान शिव की तस्वीर दिखाई थी। इसके बाद उन्होंने कहा था, भगवान शिव ने त्रिशूल को गाड़ दिया था। उन्होंने संकेत अहिंसा का संकेत दिया था। इसे वे लोग नहीं समझेंगे, जो खुद को हिंदू कहते हैं और दिन भर हिंसा-हिंसा करते हैं। असत्य-असत्य करते हैं। उनकी इसी बात को लेकर विवाद खड़ा हो गया था और हिंदू समाज के अपमान का आरोप लग रहा है। लोकसभा सचिवालय ने हिंदू धर्म पर टिप्पणी वाले राहुल गांधी के भाषण के हिस्से को हटा दिया गया है।

राधिका-अनंत की शादी की रस्में भी शुरू

अंबानी परिवार ने कराया गरीब कन्याओं का विवाह

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी की रस्में गरीब कन्याओं के सामूहिक विवाह के साथ शुरू हो गई हैं। 2 जुलाई को शाम 4:30 बजे पालघर के स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर में वंचितों का सामूहिक विवाह आयोजित किया जाएगा। इसमें वंचित परिवारों से जुड़े 50 से अधिक जोड़े 100 किलोमीटर दूर मुंबई से पालघर आए थे। इस सामूहिक विवाह में वर व वधू पक्ष के करीब 800 लोग शरीक हुए। इसके साथ ही अंबानी परिवार ने ऐसे ही कई और सामूहिक विवाह करवाने का संकल्प लिया। सामूहिक विवाह के अवसर पर नीता अंबानी व मुकेश अंबानी अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए। नव विवाहितों को अंबानी परिवार ने शुभकामनाएं दी। इतना ही नहीं अंबानी परिवार ने सभी नए नवेले जोड़े को मंगलसूत्र, शादी की अंगूठी और नाक की लोंग सहित सोने-चांदी के कई आभूषण भेंट किए। इसके अलावा, प्रत्येक दुल्हन को स्त्रीधन के रूप में एक लाख एक हजार रुपये का चेक भी दिया गया। अंबानी परिवार

की ओर से प्रत्येक जोड़े को एक वर्ष के लिए पर्याप्त किराने और घरेलू सामान भी उपहार में दिए गए, जिसमें 36 प्रकार की आवश्यक वस्तुएं जैसे बर्तन, गैस स्टोव, मिक्सर, गद्दे, तकिए आदि शामिल थे। सामूहिक विवाह में उपस्थित लोगों के लिए एक भव्य भोज का भी आयोजन किया गया। शाम को हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में वारली जनजाति द्वारा पारंपरिक तरपा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगी शादी बताते चलें कि अंबानी परिवार हर बड़े पारिवारिक कार्यक्रम की शुरूआत मानव सेवा से करता है। पहले भी परिवार में शादियों के अवसर पर, अंबानी परिवार ने आस-पास के समुदायों और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर लोगों के लिए भोजन सेवा या अन्न सेवा चलाई थी। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की बात करें तो दोनों 12 जुलाई को सात फेरे लेने वाले हैं। यह शादी मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगी। इस विवाह की चर्चा काफी लंबे समय से चली आ रही है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले दो प्री-वेडिंग कार्यक्रम का आयोजन अंबानी परिवार कर चुका है। पहला जश्न सितारों और दिग्गज व्यवसायियों के साथ जामनगर में मनाया गया

सिंगल कॉलम

चाकू की नौक पर धर्म परिवर्तन का दबाव

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में हिन्दू युवती से बर्बरता के आरोप युवक और उसके पिता पर लगे है। युवती की सूचना के बाद थाने भाजपा के मोनू आणिया कार्यकताओं के साथ पहुंचे थे। पुलिस ने युवती की शिकायत पर युवक पर बलात्कार का मामला दर्ज किया है। मोनू आणिया ने बताया की खजराना में रहने वाली एक हिन्दू युवती ने उनसे संम्पर्क कर उसके साथ हुई बर्बरता का जिक्र किया था। युवती ने बताया था की पिछले 7 महीने ने समीर पटेल नामक युवक हिन्दू नाम सोनू बनकर खजराना में उसके साथ रह रहा था। इस सात महीने में उसने युवती के चार बार गर्भपात कराए। युवती को जब उसके मुस्लिम होने की जानकारी लगी तब युवती ने उससे बात की इस पर पटेल बोला तुझे जान से खत्म कर देंगे धर्म तुझे मुस्लिम अपनाना पड़ेगा इतना ही नहीं युवक के पिता करामत ने भी चाकू की नौक पर धर्म बदलने का युवती पर दबाव बनाया उसे पीटा। पुलिस ने युवती की शिकायत पर युवक सहित उसके पिता के खिलाफ मामला देर रात दर्ज कर लिया है। थाने पर भाजपा के मोनू आणिया सहित गोलू वर्मा, कृष्णा कदम,भावेश, पलाश,धनमोल यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीएससी का एक और सवाल विवादों में

इंदौर। एमपी पीएससी की राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा-2023 को लेकर फिर दो विवाद सामने आए हैं। पहला यह कि परीक्षा में एक ऐसा प्रश्न पूछ लिया गया, जिसके चारों विकल्प बेहद अटपटे पूछे गए। पीएससी ने सवाल पूछा कि सम्राट अशोक का पुत्र है? विकल्प ए- उज्जैनी, बी- कलिंग, सी- विदिशा और डी- इनमें से कोई नहीं। अब अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर पीएससी को घेर रहे हैं की इसका जवाब तो आयोग खुद ही बता सकता है। दूसरा विवाद यह सामने आया है की भोपाल के एक सेंटर पर प्रश्न-पत्रों का बंडल ही खुला मिला था। इसकी शिकायत अभ्यर्थियों ने बाकायदा लिखित में की है। हालांकि इस पर पीएससी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस परीक्षा के लिए इंदौर सहित प्रदेशभर के 10 जिलों में केंद्र बनाए गए थे। दो सत्रों में परीक्षा आयोजित की गई। मप्र राज्य वन सेवा के 140 पदों के लिए कुल 2961 उम्मीदवारों को अवसर दिया गया। हालांकि हर सेंटर पर कुछ अभ्यर्थी अनुपस्थित भी रहे। जिन पदों के लिए यह परीक्षा हुई उसमें 12 पद सहायक वन संरक्षक और 126 वन क्षेत्रपाल के रखे हैं। 17 दिसंबर को राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई थी। महीनेभर के भीतर आयोग ने परिणाम जारी कर दिया था। ओबीसी आरक्षण के चलते आयोग ने 87-13 प्रतिशत के आधार पर परिणाम जारी हुआ था। इसमें मुख्य और प्राविधक सूची बनाई गई।

51लाख पौधे लगाने के लिए 20 करोड़ देगी प्रदेश सरकार

इंदौर। इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के लिए सभी विभाग जोर शोर से तैयारियां कर रहे है। वन विभाग, नगर निगम, आईडीए सबसे ज्यादा पेड़ अलग-अलग स्थानों पर लगाएगा। प्रदेश सरकार ने इस अभियान के लिए दस करोड़ नगर निगम और दस करोड़ वन विभाग को देने की घोषणा की है। इसके अलावा शहर के समाजसेवी संगठन भी शहरभर में पौधे लगाएंगे। इस अभियान के लिए शहर में अभी तक 30 लाख गड्ढे हो चुके है। 6 जुलाई से पौधारोपण अभियान की शुरूआत इंदौर में हो जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव,केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव व संतों की मौजूदगी में शहर के अलग-अलग स्थानों पर पौधे लगाए जाएंगे। 14 जुलाई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इंदौर आएंगे। उनकी मौजूदगी में इंदौर में एक साथ 11 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड इंदौर में बीएसएस की टेकरी बर बनेगा। इसके लिए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम भी इंदौर आएगी। एक दिन में 9 लाख पौधे लगाने का रिकार्ड आसाम का है। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि रेवती रेंज में अभी तक 8 लाख गड्ढे हो चुके है। इसके अलावा अलग-अलग टेकरियों, उद्यानों व सिटी फारेस्टों में वन विभाग, नगर निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण 22 लाख से ज्यादा गड्ढे कर चुका है। शहर के समाज, खेल व धार्मिक संगठन भी अलग-अलग स्थानों पर सात दिनों के भीतर पौधे लगाएंगे। राठौर ने बताया कि इस साल गर्मी में तापमान 44 डिग्री तक पहुंचा। शहरवासी खुद इस अभियान से भावनात्मक रुप से जुड़ गए है।

इंदौर के आश्रम में अधिकारी जांच में उलझे रहे और इधर दम तोड़ते रहे बच्चे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के पंचकुइया स्थित युगपुरुष धाम में रहने वाले बच्चों की एक के बाद एक मौत के बाद प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर आशीष सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर कलेक्टर राजेंद्र रघुवंशी, मल्हारगंज एसडीएम ओमप्रकाश नारायण बड़कुल, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम को आश्रम में जांच के लिए भेजा।

आश्रम पहुंचे अधिकारी जांच में उलझे रहे और दूसरी तरफ बच्चे दम तोड़ते रहे। अधिकारियों ने बच्चों के उपचार के प्रबंध पर ध्यान नहीं दिया। जांच के दौरान ही आश्रम में दो बच्चों ने दम तोड़ दिया। सुबह 12, दोपहर में सात और शाम को 11 बच्चों को हास्पिटल पहुंचाया गया। वहीं देर रात तबियत बिगड़ने पर दो बच्चों को फिर हॉस्पिटल भेजा गया। युगपुरुष धाम आश्रम प्रबंधन की लापरवाही के कारण बच्चों को समय पर उपचार नहीं मिल सका। 30 जून को आश्रम में एक बच्चे की मौत हो गई थी, लेकिन इसे सामान्य मौत माना। इसी रात करण नामक बालक के उपचार के लिए आश्रम प्रबंधन एमवाय हॉस्पिटल पहुंचा, लेकिन उसकी मौत हो गई। आश्रम प्रबंधन ने इसकी पुष्टि वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बजाय विभाग के वॉट्सएप ग्रुप पर जानकारी साझा कर दी। मामले की जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह को लगी तो उन्होंने बच्चों को चाचा नेहरू हास्पिटल में भर्ती कराया।

जांच के बाद हॉस्पिटल भेजने में हुई देरी

सुबह 12 बच्चों को चाचा नेहरू हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। जबकि अन्य बच्चों को भी दस्त और उल्टी की समस्या थी। इसमें दो बच्चों की मौत होने के बाद फिर 20 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सुबह की जांच के बाद बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराने में लापरवाही बरती गई।

27 को हुआ था चेकअप

आश्रम में सभी बच्चों का प्रत्येक माह स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। 27 जून को जिला हॉस्पिटल के डा. एके पांडे ने आश्रम पहुंचकर सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया था। इसमें सभी की जांच की गई थी, इस दौरान किसी को कोई परेशानी नहीं थी। महू सिविल हॉस्पिटल के मनोचिकित्सक डा. मधुकर शुक्ला भी समय-समय पर आश्रम आकर जांच करते हैं। आश्रम के 51 बच्चों को मिर्गी की दवाई दी जा रही थी।

वित्तीय पोषण से लेकर जांच तक की जिम्मेदारी

महिला व बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएन बुधोलिया ने बताया कि युगपुरुष संस्था को हर माह 100 बच्चों के लिए करीब तीन हजार रुपये प्रति बच्चे के हिसाब से राशि जारी की जाती है।

साथ ही महिला बाल विकास और सामाजिक न्याय विभाग के अलग-अलग दलों द्वारा हर तीन माह में एक बार जांच भी की जाती है। हर माह दो बार डाक्टरों की टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य चेकअप किया जाता है। किसी तरह की बीमारी होने पर इलाज किया जाता है। किसी तरह की स्वास्थ्य मदद के लिए फोन पर 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध रहता है। जरूरत पर होने पर डॉक्टर आश्रम आकर भी बच्चों की जांच करता है। आश्रम की संचालिका डा. अनीता शर्मा ने बताया कि बच्चों को हर रात दाल-चावल या खिचड़ी ही दी जाती थी। 30 जून खिचड़ी और कड़ी दी गई थी। सोमवार रात को भी खिचड़ी दी गई थी। बच्चों की तबियत बिगड़ने पर प्रशासन ने आश्रम में बनने वाले भोजन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आरओ व बोरिंग का दूषित पानी भी हो सकता है वजह

इस बात की आशंका भी है कि दूषित पानी पीने से बच्चों की तबियत बिगड़ी हो। आश्रम के आरओ की कई दिनों से जांच नहीं करवाई गई है। बच्चे बोरिंग का पानी ही पीते हैं। आशंका है कि कुछ दूर बह रहे नाले के पानी से आश्रम के बोरिंग का पानी दूषित हो गया हो और आरओ का दूषित पानी बच्चों ने पीया होगा।

पांच बच्चों की विसरा की जांच कराएगी पुलिस

मल्हारगंज पुलिस ने मामले में पांच अलग-अलग मर्ग कायम किए हैं। मंगलवार को ही पुलिस ने आश्रम जाकर खाद्य सामग्री (दाल-चावल)की जब्ती कर ली। मौत के कारणों की जांच के लिए विसरा की जांच करवाई जा रही है। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक घटना की शुरुआत 30 जून से हुई है।

पुलिस ने सभी बच्चों की मौत की जांच शुरू कर दी है। पांचों बच्चों की मौत के मामले में पांच मर्ग कायम किए गए है। पुलिस को जानकारी मिली कि आश्रम में आरओ बंद था। इससे दूषित पानी की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल पीएम रिपोर्ट और खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

वर्ष 2006 में शुरू हुई थी संस्था

आश्रम संचालिका डा. शर्मा ने बताया कि वर्तमान में आश्रम की शुरुआत 2006 में की थी। वर्तमान में 112 बालक और 89 बालिकाएं हैं। सभी मानसिक रूप से बीमार हैं। इन बच्चों की सेवा के लिए 38 लोगों का स्टाफ लगा रहता है। 100 बच्चों के लिए वित्तीय मदद महिला बाल विकास विभाग से मिलती है। वहीं अन्य बच्चों की मदद के लिए ट्रस्ट के माध्यम से जनसहयोग से राशि जुटाई जाती है। सुबह से शाम तक आश्रम से 32 बच्चे भर्ती हुए हैं, जिसमें से तीन की स्थिति गंभीर है। इलाज किया जा रहा है। अभी तक कारण फूड पाइजनिंग लग रहा है, लेकिन जांच रिपोर्ट आने के बाद ही असल कारण पता चल सकेगा। - डॉ. प्रीति मालपानी, अधीक्षक, चाचा नेहरू बाल चिकत्सालय आश्रम में प्रदेश भर के बच्चे आते हैं। सभी बच्चे मानसिक रूप से बीमार हैं। बच्चों की मौत का कारण जांच के बाद ही पता चल पाएगा। जो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, सभी की हालत में सुधार है। आश्रम में साफ पानी के लिए आरओ भी चालू हालत है। - डॉ. अनीता शर्मा, आश्रम संचालिका दो बच्चों की शार्ट पीएम रिपोर्ट आ गई है, जिसमें कार्डियक अरेस्ट से मौत होना पता चला है, लेकिन फाइनल पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। विसरा रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। - आशीष सिंह, कलेक्टर

सुबह छह बजे तोड़ने पहुंचा अमला, एक इमारत में बना दिए थे 30 से ज्यादा कमरे, दो भवनों का चल रहा था काम

तीन अवैध होस्टलों पर चले निगम के बुलडोजर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर के भोलाराम उस्ताद मार्ग पर नगर निगम की रिमूवल गैंग ने तीन होस्टल तोड़े। इनमें से एक होस्टल बनकर तैयार हो चुका था। उसमें 30 से ज्यादा कमरे थे, जबकि दो होस्टलों का निर्माण जारी था। तीन मंजिला इन होस्टलों का निर्माण अवैध तरीके से किया जा रहा था।

इन्हें तोड़ने का काम सुबह साढे छह बजे शुरू हुआ। तीन पोकलेन मशीन और 100 से ज्यादा श्रमिकों ने अवैध होस्टल को चार घंटे में जमींदोज कर दिया। इस इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हो रहा है। नगर निगम के निशाने पर अन्य निमार्णाधीन भवन भी है। तीनों होस्टलों के अवैध निर्माण की जानकारी सामने आने के बाद नगर निगम ने होस्टल बना रहे जितेंद्र तलरेजा, हरप्रीत अरोरा, एपी गोस्वामी को नोटिस दिया था और स्वेच्छा से अवैध निर्माण हटाने के लिए कहा था। नोटिस का तय समय बीत जाने के बाद मंगलवार को तीनों होस्टलों को तोड़ने का काम शुरू हुआ। मौके पर होस्टल बनाने वालों ने अपना पक्ष रखने की की कोशिश की, लेकिन अफसरों ने नक्शे के विपरित हो रहे निर्माण का हवाला देकर अभियान जारी रखा।

होस्टल टूटते देख मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी। इस कारण यातायात भी बाधित होता रहा। इस दौरान एसडीएम घनश्याम धनगर, भवन अधिकारी नागेंद्र सिंह भदौरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस क्षेत्र में नगर निगम ने इससे पहले भी दो अवैध होस्टलों को तोड़ा है।

इंदौर में कार की टक्कर से 20 फीट दूर जा गिरी बाइक स्क्रैप व्यवसायी की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को ऐसी टक्कर मारी कि 20 फीट दूर जाकर गिरी। बाइक सवार एक स्क्रैप व्यवसायी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यवसायी वेंटिलेटर पर है। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कार की पहचान कर ली गई है। घटना बाणगंगा थाना अंतर्गत सांवेर रोड टोल नाका के पास की है। कृष्णबाग कालोनी निवासी मोहम्मद इमरान साथी मोहम्मद असद निवासी अहमद नगर और एक अन्य इमरान के साथ उज्जैन गया था। तीनों स्क्रैप का व्यवसाय करते हैं। बाइक से लौटते समय तीनों टोलनाका के पास पेट्रोल पंप के सामने सिगरेट पीने रुक गए। मोहम्मद इमरान और मोहम्मद असद बाइक पर ही बैठे थे। इमरान थोड़ी दूर खड़ा था। अचानक उज्जैन की तरफ से तेज रफ्तार में कार (एमपी 09 डब्ल्यूएल 7169) आई और बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक 20 फीट दूर जाकर गिरी। मोहम्मद इमरान और असद बेहोश हो गए। रिश्तेदार सलीम तेली के मुताबिक दोनों को गंभीर अवस्था में अरबिंदो अस्पताल ले गए लेकिन डाक्टर ने मोहम्मद इमरान को देखते ही मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद असद की हालत गंभीर है। उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

तेज रफ्तार कार ने ले ली जान

जानकारी के मुताबिक कार बहुत तेज रफ्तार में थी। जैसे ही उसने खड़ी हुई बाइक को टक्कर मारी दोनों दूर गिर गए। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया। आस-पास के लोग दौड़े और घायलों को उठाकर अस्पताल ले गए। इसमें से एक पूरी तरह से बेहोश हो गया था। घटना में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस इस पूरी मामले की जांच कर रही है।

75 साल पूरे होने पर सीए संस्थान ने किया कार्यक्रमों का आयोजन

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने का लिया संकल्प

सिटी चीफ इंदौर।

सीए संस्थान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर सीए शाखा द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस अवसर पर सीए मनोज फडनिस (पूर्व प्रेसिडेंट आईसीएआई) ने सीए शाखा पर ध्वजारोहण किया और सीए शाखा स्थापित होने का इतिहास भी बताया। सन् 1913 में ब्रिटिश साम्राज्य में हर कंपनी को बुक्स रखना अनिवार्य किया गया, उसके बाद सन् 1930 में लेखाकार का रजिस्टर बनाया गया और सन् 1949 में सरकार को लगा की लेखाकारों की नियमित्ता के लिए सीए संस्थान का गठन जरूरी है। इसी तरह सीए संस्थान का गठन हुआ। उन्होंने यह भी बताया की आगे आने वाले सालों में सीए की आवश्यकता और भी बढ़ेगी और देश की प्रगति में सीए की अहम भूमिका रहेगी। सीए शाखा के अध्यक्ष सीए अतिशय खासगीवाला ने बताया की इस बार इंदौर सीए शाखा पूरे सप्ताह अपने मेंबर्स के लिए आयोजन करेगी जिसमें पर्यावरण के लिए पेड़ लगाना, गरीबों में भोजन वितरण, पंडित विजय शंकर मेहता जी द्वारा उद्बोधन, यंग सीए के लिए संगोष्ठी शामिल है। रीजनल काउंसिल मेंबर सीए कीर्ति जोशी ने बताया की सीए वे डॉक्टर हैं जो की इंसान की अर्थव्यवस्था को दुरुस्त रखते हैं। उन्होंने बताया की सीए संस्थान अपने मेंबर्स और विद्यार्थियों के लिए कई नई योजना ला रही है और सीए करने वाले विद्यार्थियों के लिए भविष्य काफी उज्ज्वल है। उन्होंने बताया की देश को 5 ट्रिलियन इकॉनमी बनाने में सीए का

विशेष योगदान रहेगा। नगर निगम इंदौर ने शहर के वरिष्ठ सीए और डॉक्टर के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया जिसमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीए और डॉक्टर का सम्मान किया और उनके योगदान की सराहना की। इस मौके पर सीए स्वप्निल कोठरी और डॉक्टर अशोक पुराणिक ने अपना संबोधन भी दिया।

साइबर क्राइम एक अदृश्य क्राइम

इस अवसर पर सीए शाखा में साइबर सुरक्षा के विषय पर एक सेमिनार का आयोजन भी किया गया जिसमें मुख्य वक्ता साइबर एक्सपर्ट रक्षित टंडन थे। उन्होंने बताया की साइबर क्राइम एक अदृश्य क्राइम है जो की होने के बाद पता चलता है। इससे बचने का सतर्कता और सावधानी ही तरीका है। उन्होंने यह भी बताया की मोबाइल में अनचाही एप डाउनलोड न करें और अपनी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। इस मौके पर सीए शाखा सचिव अमितेश जैन, कोषाध्यक्ष स्वर्णिम गुप्ता , वाइस चेयरमैन सीए रजत गुप्ता, सीए मौसम राठी, सीए आनंद जैन आदि मौजूद थे।

भोपाल शहर का 3,353 करोड़ का बजट पेश, विपक्ष ने कसा तंज

नया कुछ नहीं पुराने वादे भी अधूरे...

सिटी चीफ भोपाल।
नोक झोक के बीच मंगलवार को भोपाल महापौर मालती राय ने शहर सरकार का 3,353 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में टैक्स में बढ़ोतरी नहीं की गई है। बजट में आय और व्यय बराबर रहने का अनुमान है। इस वित्तीय वर्ष में नगर निगम की अनुमानित आय 3,353 करोड़ 16 हजार रुपये रहेगी और अनुमानित व्यय भी इतना ही रहेगा। जबकि नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी का कहना है कि बजट में कुछ भी नया नहीं है। पिछले साल के बजट के बिंदुओं के नंबर बदले गए हैं। महापौर ने पिछले बजट और अंतरिम बजट का हिसाब नहीं दिया। जो 700 करोड़ रुपये लैप्स हुए हैं। बजट में उसका जिक्र तक नहीं किया। बजट पेश करने से पहले प्रश्नकाल शुरू किया गया, जिसके लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया गया है। सदन में पार्षदगणों ने महापौर मालती राय से सवाल किए। इससे पहले नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सदन में पहुंचे ही आसंदी के पैर छूए और सत्र की शुरूआत की। इस दौरान नगर निगम का सदन जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

विपक्ष ने जताई इन मुद्दों पर आपत्ति

भोपाल नगर निगम बजट पेश के दौरान बजट में प्रॉपर्टी, मनोरंजन और पानी पर टैक्स बढ़ाने को लेकर विपक्ष ने अपनी आपत्ति जताई, जिसके बाद टैक्स बढ़ाए जाने के फैसले को वापस ले लिया गया। वहीं, नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने सवाल करते हुए कहा कि पिछला बजट कितना था, कहां-कहां राशि खर्च की गई। विकास कार्य किसे सौंपे गए, इसकी जानकारी दी जाए। निगम ने अब तक किन कंपनियों को कितना भुगतान किया। इन सब की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। वहीं, एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने कहा कि मेरे वार्ड में हाउस फॉर ऑल का काम नहीं हुआ तो राशि जारी कैसे कर दी गई। जब काम ही नहीं हुआ तो राशि जारी करने का सवाल ही नहीं उठता। यति के इस सवाल पर अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने पता लगाने की बात कही।

बजट में किसको क्या मिला

बजट में निगम अध्यक्ष निधि को दो करोड़ रुपये रखने का प्रावधान भी किया गया है। पिछली बार भी इतनी ही राशि थी। महापौर के लिए यह राशि पांच करोड़ रुपये है। वार्ड नियोजन निधि के रूप में प्रति वार्ड 25 लाख रुपये के मान से बजट में 21 करोड़ 25 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही संपत्ति कर की 50 प्रतिशत की राशि भी वार्डों के विकास कार्यों पर खर्च होगी।

किसके लिए कितना रहा बजट

-प्रति वार्ड 25 लाख रुपये के मान से बजट में दो हजार एक सौ 25 लाख रुपये

का प्रावधान किया है। साथ ही संपत्तिकर की 50 प्रतिशत राशि भी वार्डों के विकास हेतु दी गई है।

-प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु 40 हजार लाख रुपये का प्रावधान बजट में किया है।

-अवैध से वैध की गई बस्तियों में अधोसंरचना उन्नयन कार्य हेतु एक हजार लाख रुपये का प्रावधान किया है। साथ ही अल्प विकसित व पिछड़ी बस्तियों में जलसंरचनाओं के विकास एवं सुधार हेतु पांच सौ लाख रुपये, जलभराव को रोकने हेतु नाला-नालियों के निर्माण हेतु तीन हजार पांच सौ लाख रुपये, जीर्ण-शीर्ण बस्तियों में पुनर्वास एवं विस्थापन कार्यों हेतु एक हजार लाख रुपये।

-अतिक्रमण से मुक्त कराई गई शासकीय एवं निगम स्वामित्व की खुली भूमियों की फेंसिग हेतु पांच सौ लाख रुपये का प्रावधान किया है और शहर में पार्कों के विकास हेतु भी एक हजार लाख रुपये प्रावधानित किए है।

-विभिन्न स्थानों पर महापुरुषों की प्रतिमाओं संबंधी कार्यों हेतु पांच सौ लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। हमारा प्रयास है कि शहर में अन्य नागरिकों, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हॉकर्स कार्नर निर्माण हेतु पांच सौ लाख रुपये का प्रावधान बजट में हमने किया है।

-शहर की सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गों पर हेरिटेज प्रवेश द्वार बनाने के लिये पांच सौ लाख रुपये प्रावधानित किये गये हैं।

-नागरिकों को सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवागमन की व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु एक हजार लाख रुपये, मितव्ययता एवं पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन हेतु इलेक्ट्रिक व्हीकल्स क्रय करने के लिए एक हजार लाख रुपये का प्रावधान किया है।

-मुख्यमंत्री शहरी अद्योसंरचना विकास योजना फेस-4 हेतु 500 लाख रुपये का प्रावधान इस वर्ष से बजट में किया है।

-शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर प्रकाश की उचित व्यवस्था रहे, इस हेतु राशि 15 सौ लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

-शहर के तालाबों, जल संग्रहण क्षेत्रों के सरंक्षण एवं संधारण हेतु पांच सौ लाख रुपये, तालाबों के किनारे स्थित विसर्जन घाटों के विकास हेतु दो सौ पचास लाख रुपये का प्रावधान किया है।

-विभिन्न क्षेत्रों में लघु खेल परिसर (मिनी स्पोर्ट्स सेन्टर) का निर्माण तथा अधोसंरचना उन्नयन कार्य हेतु राशि 500 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर यूथ कांग्रेस और कांग्रेस के नेता बैठे, पटवारी भी हुए शामिल, सारंग के इस्तीफे की मांग

नर्सिंग घोटाले को लेकर भोपाल में 24 घंटे का सत्याग्रह

सिटी चीफ भोपाल।
मध्यप्रदेश में इन दोनों नर्सिंग घोटाले सहित विभिन्न परीक्षाओं में फजीर्वाड़े को लेकर कांग्रेस विधानसभा से लेकर रोड तक सरकार को घेर रही है। नर्सिंग घोटाले में लगातार मंत्री विश्वास सारंग के इस्तीफे की मांग की जा रही है। कांग्रेस लंबे समय से इस मामले में कड़ाई से जांच की मांग कर रही है। मंगलवार को मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले को लेकर सत्याग्रह शुरू कर दिया है। 24 घंटे के लिए भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर यूथ कांग्रेस और कांग्रेस के नेता सत्याग्रह पर बैठ गए हैं।

यह सत्याग्रह प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव के नेतृत्व में किया जा रहा है। बता दें कि इस आंदोलन में बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी शामिल हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग किए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी इस सत्याग्रह में शामिल हुए और बीजेपी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नितेंद्र सिंह ने कहा है कि इस नर्सिंग

कॉलेज घोटाले की वजह से हजारों नर्सिंग छात्रों का भविष्य बर्बाद हुआ है। वहीं, व्यापमं के बाद नर्सिंग का इतना बड़ा घोटाला सामने आने के बाद देश भर में मप्र की छवि खराब हुई है। यदि सरकार जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं करेगी तो आने वाले समय में भी घोटाले नहीं रुकेंगे। बता दें कि बीते दिन कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले सहित विभिन्न परीक्षाओं में फजीर्वाड़े को लेकर मध्यप्रदेश के हर शहर में विरोध प्रदर्शन किया था। बड़े स्तर में हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के साथ आम जनता भी शामिल हुई थी।

जीतू पटवारी के सामने फूट-फूट कर रोई नर्सिंग की छात्राएं

24 घंटे चलने वाले इस सत्याग्रह कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने युवाओं के बीच जाकर की। यहां आई छात्राओं ने पटवारी से रो-रो कर अपनी परेशानी बताई। पटवारी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार चाहे केंद्र की हो या प्रदेश की युवाओं के भविष्य को चौपट कर रही है, जो हम होने नहीं देंगे। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल आज इस मुद्दे पर विधानसभा में भाजपा सरकार का घेराव किया। पटवारी ने कहा कि मैं युवा कांग्रेस के साथियों की प्रशंसा करता हूं, जो पूरे प्रदेश में नर्सिंग छात्रों की लड़ाई लड़ रहे हैं।

दो साल बाद भी नहीं आया रिजल्ट

इस सत्याग्रह में अपना समर्थन देने बड़ी संख्या में युवा और छात्र सम्मिलित हुए। कई छात्रों ने बताया कि हमने व्यापामं द्वारा आयोजित टढठरळ परीक्षा दी थी, जिसका परिणाम आज दो साल बाद भी नहीं आया है। ये हमारे ऊपर अत्याचार है।

छात्र दर-दर भटकने को मजबूर

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा राज में नर्सिंग महाघोटाला हुआ है, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। इसका असर छात्रों के भविष्य के साथ-साथ उनके पूरे परिवार पर पड़ा है। भाजपा ने शिक्षा माफियाओं के इशारे पर छात्रों को दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया है। हम इसकी लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ेंगे। हम विश्वास सारंग के इस्तीफे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हैं।

सीएम यादव ने 'लोकपथ' मोबाइल एप का किया लोकार्पण

अब गड्ढों की फोटो खींचकर भेजने पर होगी कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।
मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशन एवं लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह की विशेष पहल पर सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली को सशक्त करने लोकपथ मोबाइल एप तैयार किया गया है। लोकपथ मोबाइल एप के माध्यम से आम जनता को सड़कों की समस्याओं की रिपोर्टिंग करने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस एप के जरिये सड़कों पर व्याप्त गड्ढों की समय पर पहचान और त्वरित सुधार संभव होगा।

लोकपथ एप में रजिस्टर्ड सड़कों के पॉटहोल्स/पेच का फोटो अपलोड करने पर शिकायत सीधे संबंधित अधिकारी को पहुंच जाएगी। अधिकारी द्वारा 7 दिनों की समय-सीमा में उसी पॉटहोल/पेच का सुधार कार्य कर एप के माध्यम से समाधान दर्ज किया जाएगा, जिसकी सूचना शिकायतकर्ता को मोबाइल पर प्राप्त होगी। इसके अंतर्गत लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश के सभी मरम्मत योग्य राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग और ग्रामीण मार्ग शामिल रहेंगे। यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी। प्रथम चरण 2 जुलाई से शुरू किया गया है। इसमें अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और मुख्य जिला मार्ग शामिल रहेंगे। द्वितीय चरण में अन्य जिला मार्ग और ग्रामीण मार्ग भी शामिल किए गए हैं।

ऐसे करें एप को डाउनलोड

www.mppwd.gov.in

वर्तमान में लोकपथ एप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट पर जाकर डाउनलोड करके इंस्टॉल किया जा सकता है। मोबाइल फोन में ऐप को खोलकर ऐप में रजिस्टर्ड सड़कों के पॉट होल / पेच का फोटो लेकर डालने पर शिकायत निराकरण के लिए सीधे संबंधित अधिकारी को पहुंच जाएगी। अधिकारी द्वारा सात दिवस की समय सीमा में इस पॉट होल/पेच का सुधार कार्य कर ऐप से निराकरण दर्ज किया जाएगा, जिसकी सूचना मोबाइल पर शिकायतकर्ता को प्राप्त हो जाएगी।

पुलिस ने दो बैंक पासबुक, पांच चेक बुक, तीन मोबाइल बिल बुक और 10 बैंकों के एटीएम कार्ड किए जब्त

साइबर ठगों को सिम उपलब्ध करवाने वाले गिरोह के दो लोग गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
साइबर क्राइम ब्रांच ने फर्जी सिम बेचने व गिरोह के सरगना को उपलब्ध कराने वाले दो बदमाशों को टीकमगढ़ से गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य इंटरनेट मीडिया के माध्यम इंस्टाग्राम पर विज्ञापन के माध्यम से आई-फोन को सस्ते दामों पर बेचने के नाम पर संगठित गिरोह के सरगना को फर्जी सिमकार्ड उपलब्ध कराते थे। आरोपित द्वारा फर्जी सिम कार्ड तैयार करने के लिये डी-केवायसी का इस्तेमाल किया जा रहा था। वह सड़कों पर छतरी लगाकर सिम बेचने के नाम पर भोले भाले लोगों को शिकार बनाते थे। वह फर्जी सिम कार्डों को महंगे दामों में गिरोह के सरगना को मुहैया करा रहे थे। साइबर क्राइम ब्रांच के मुताबिक 13 मई को फरियादिया हिना खान (परिवर्तित नाम) निवासी भोपाल ने साइबर क्राइम भोपाल में लिखित शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने

बताया कि उन्होंने इंटरनेट मीडिया के माध्यम इंस्टाग्राम पर आइफोन बेचने का विज्ञापन देखा जिसे बुक करने के बाद युवती को मोबाईल बुकिंग के पैसे ट्रांसफर करवाने के लिए बोला गया। बाद में आवेदिका के साथ वाट्सएप काल कर कस्टम-पे, रिफण्ड के नाम पर अलग-अलग माध्यम से कुल 188999 रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस द्वारा शिकायत जांच शुरू कर दी गई।

10 मोबाइल, 68 सिम कार्ड भी बरामद

साइबर क्राइम पुलिस ने तकनीकि साक्ष्यों के आधार पर जालसाजी करने वालों की पहचान की गई। मोबाइल उपयोगकर्ता की लोकेशन को ट्रेस करते हुए पुलिस टीकमगढ़ तक पहुंच गई तथा वहां से पीओएस एजेंट मोहम्मद शाहरुख व पीओएस एजेंट नीलेश यादव नाम के आरोपितों को दबोच लिया।

केवायसी अपडेट कर बेचते थे सिम

दोनों आरोपित हाट बाजार एंव भीड़भाड़ वाले स्थानों पर छतरी लगाकर सिम बेचने का काम करते हैं। वह सिम खरीदने वाले ग्राहकों को एक सिम केवायसी के माध्यम से एक्टिव कर देते थे। इसके तुरन्त बाद आरोपित उसी ग्राहक के नाम पर दोबार से डी-केवायसी के माध्यम से एक अतिरिक्त सिम एक्टिव कर अपने पास रख ली जाती है और उस सिम को साइबर अपराधियो को महंगे दामों पर बेच दिया जाता है। जिसके माध्यम से साइबर ठगी की जाती है। साइबर क्राइम पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। इसके गिरोह पांच सदस्यों को साइबर क्राइम जून में गिरफ्तार कर चुकी है। अभी इसमें और लोगों की गिरफ्तारी होना बाकी है।

मुद्दों से भटकाने की कोशिश

कांग्रेस का दावा, राहुल गांधी के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।
सांसद राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी लगातार हमलावर है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेस कर दावा किया है कि राहुल गांधी के बयान को तोड़ मरोड़ कर दिखाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के भाषण को लेकर भाजपा ने जिस तरह से देश की जनता को गुमराह किया है, उनकी कही गई बात और अभिप्राय को बदलने का सबसे निक्रष्ट उदाहरण है। जो भाजपा ने देश की जनता के सामने रखा है।

नायक ने कहा कि साम्प्रदायिक और विभाजनकारी शक्तियां, अलगाववादी शक्तियां और भारत के समतावेशी और समावेशी शक्तियां हैं। खासकर भाजपा की तरफ राहुल गांधी जी ने इशारा किया है कि भाजपा के लोग पूरे देश में अशांति फैलाते हैं। हिंसक वातावरण फैलाते हैं। धर्म के नाम पर भाजपा के लोग आस्थाओं का दोहन करते हैं। धर्म को राजनीति का औजार बनाते हैं और इनकी उग्र हिन्दू राष्ट्रवाद की परिकल्पना अत्यंत आक्रमक होती है तो हिंसक रूप ले लेती हैं और इन्हीं तमाम बातों से ऊबकर पिछले चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश, अयोध्या और प्रयागराज जैसे स्थानों पर और तमाम धार्मिक स्थानों पर भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। लेकिन भाजपा इससे कोई सबक नहीं ले रही है। भाजपा कभी भी भारत के लोगों की भावनाओं को उनकी समस्याओं पर ध्यान देना ही नहीं चाहती।

किसानों-महिलाओं के बारे में बात नहीं करती भाजपा

नायक ने कहा कि रोजगार, महंगाई, कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर महिलाओं के सशक्तिकरण पर खेत खलियान और किसानों की समस्याओं पर भाजपा बात ही नहीं करना चाहती है और भाजपा हमेशा गोल-गोल घुमाकर उग्र हिन्दू राष्ट्रवाद की परिकल्पना और आक्रामकता और जो हिंसक वातावरण बनाती है, मॉब लांचिंग करती है, इसके खिलाफ राहुल गांधी जी ने भाषण दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि जब राहुल गांधी जी सदन में भाषण दे रहे थे तो भाजपा के पूर्व गृहमंत्री और वर्तमान संसदीय कार्य मंत्री किरण रिज्जू जी ने खड़े होकर हिन्दुओं की वकालत की। ये वहीं रिज्जू जी हैं, जिन्होंने गृह मंत्री रहते हुये सार्वजनिक रूप से पत्रकार वार्ता में कहा था कि हम तो गऊ का मांस खाते हैं, यह हमारे कल्चर में है। हमारी परंपरा में है।

गोमाता को बचाने कानून क्यों नहीं बनाया

नायक ने कहा कि गोवा में भाजपा की सरकार है। गऊ माता को बचाने कोई कानून क्यों नहीं बनाया।हर होटल में गऊ मांस बिक रहा है और कहते हैं कि हम वहां के वैश्विक कल्चर, ग्लोबल कल्चर को खत्म नहीं करना चाहते तो मोदी जी बताएं कि पूरे ग्लोबल पर विश्व गुरु बनने की बात क्यों करते हैं। नायक ने कहा कि भारत में 150 करोड़ का मांस निर्यात हो रहा है और ब्राजील के बराबर हम आते हैं। जो ब्राजील विश्व में मांस निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश था, आज भारत उसके बराबरी पर आ गया। आप भारत को किस आधार पर विश्व गुरु बनाने की बात कर रहे हैं। कब तक आप हिन्दू आस्थाओं का दोहन करते रहोगे। कब तक धर्म को राजनीति का औजार बनाकर देश में अशांति फैलाते रहोगे, इन तमाम चीजों पर राहुल गांधी ने भाजपा पर तंज कसा है। हिन्दुओं पर नहीं, लेकिन भाजपा ने राहुल गांधी के वक्तव्य को बीच में से पकड़कर उसके पूरे अभिप्राय को बदलने की कोशिश की है, जिसकी कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है।

सम्पादकीय

तीन नई संहिताएं

कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं।

जुलाई के आरंभ से ही तीन ऐतिहासिक कानूनी परिवर्तन किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ऐसे ही परिवर्तन हैं, जो औपनिवेशिक अवशेषों को भी खत्म कर देंगे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी,1860) और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 ब्रिटिश राज की कानूनी व्यवस्थाएं थीं, जिन्हें हम आज भी ढो रहे थे। ये उपनिवेश की गुलामी की याद दिलाती थीं। अब उनके स्थान पर पूर्णतः भारतीय संहिताएं होंगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया। उस सूची में आपराधिक वैवाहिक बलात्कार, यौन अपराधों को लैंगिक तौर पर निरपेक्ष बनाना, इच्छा-मृत्यु और राजद्रोह सरीखे अपराधों पर नागरिकों के अभिमत लिए जाने थे। अभिमत कितनी संख्या में आए, कितने राज्यों के किन-किन वर्गों के लोगों ने अपने अभिमत दिए, भारत सरकार ने उनका कोई खुलासा नहीं किया है। दरअसल संसद में ये विधेयक तब पारित किए गए, जब 146 सांसद निलंबित थे और सदनों में एकतरफा बहुमत था, लिहाजा ध्वनि-मत से विधेयक पारित किए गए। बाद में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से वे कानून बन गए, लेकिन इस संदर्भ में अब भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इन तीनों संहिताओं और अधिनियम पर देश का जनमत सामने आना भी शेष है, क्योंकि एक जुलाई से ही ये ऐतिहासिक परिवर्तन लागू किए गए हैं। अब प्राथमिकी का नामकरण तक बदल दिया गया है। सजा के वैकल्पिक स्वरूप के तौर पर सामुदायिक सेवा का प्रावधान भी किया गया है। छोटे अपराधों के लिए समरी ट्रायल को अनिवार्य किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ट्रायल अब सुनिश्चित होगा। भीड़-हत्या और हिंसा, बाल विवाह बलात्कार ऐसे अपराध हैं, जिनका समयबद्ध और गतिमय ट्रायल अनिवार्य होगा। अधिकतर सलाह-मशविरा, विमर्श कोरोना महामारी के दौरान किए गए, लिहाजा संहिताओं में कुछ बड़े परिवर्तन नहीं जोड़ पाए होंगे। कुछ राज्यों ने भी आपत्तियां की हैं और मांगें भी की हैं। मसलन-कानूनों के नाम अंग्रेजी में नहीं होने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में काफी वक्त लगता है। कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं। इन कानूनों की अभी समीक्षा की जानी चाहिए। नई लोकसभा में जो स्थायी समितियां बनेंगी, उनके सांसद-सदस्यों को पुनरावलोकन के लिए ये संहिताएं दी जाएं।

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिंताजनक

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी।

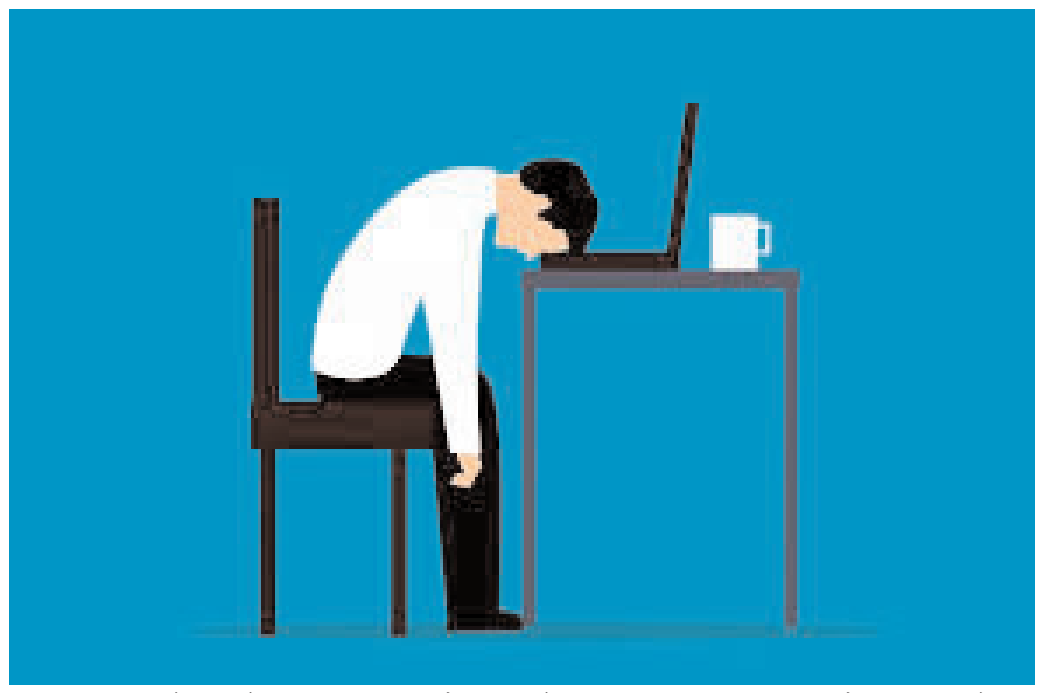

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है।

निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है। इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रातः भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड़ नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है। विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फरोम हॉम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे। जिसके कारण मधुमेह एवं हृदय रोग का खतरा मंडरा रहा है। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय बनी हुई है। क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में 14-20 फीसदी से अधिक पीछे हैं। अध्ययन के अनुसार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में महिलाएं अधिक सक्रिय हैं। भारत में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, आलसीपन एवं सुस्ती को दूर करने के लिये समग्र जन-चेतना को जगाना होगा। सरकार को भी शारीरिक श्रम की योजनाओं को बल देना होगा। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार, कर्म, शरीर से कमजोर ही नहीं बल्कि बीमार बनायेगा, जो आजादी के अमृतकाल को धुंधलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

बांस तोड़ेगा जलवायु परिवर्तन का कुचक्र, इस आस का यह है आधार

जलवायु परिवर्तन सबसे गंभीर वैश्विक मुद्दों में से एक है, जो दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और समुदायों को प्रभावित कर रहा है। जैसे-जैसे विभिन्न देश कार्बन उत्सर्जन को कम करने और कार्बन पृथक्करण बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, बांस एक आशाजनक समाधान के रूप में उभर रहा है। अपनी तीव्र वृद्धि, उच्च बायोमास उत्पादन और कार्बन पृथक्करण क्षमताओं के कारण बांस जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने का अवसर दे सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि बांस पारंपरिक पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह कार्बन पौधे के तने, पत्तियों और जड़ों सहित बायोमास में जमा होता है। इसके अतिरिक्त, बांस की व्यापक जड़ प्रणाली मिट्टी को स्थिर करने और कटाव को रोकने में मदद करती है, जिससे कार्बन के प्राकृतिक भंडारण में भी मदद मिलती है। बांस का उच्च बायोमास उत्पादन जलवायु परिवर्तन के शमन का महत्वपूर्ण कारक है। यह बड़ी मात्रा में कार्बनिक पदार्थ का उत्पादन करता है, जिसका उपयोग बायोएनर्जी सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। बांस के बायोमास को बायोचार में परिवर्तित किया जा सकता है, जो चारकोल का एक रूप है, और सैकड़ों वर्षों तक कार्बन को वायुमंडल से अलग कर सकता है। बांस लकड़ी का एक स्थायी विकल्प प्रदान करता है। इसकी कटाई के बाद इसे दोबारा लगाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि अपनी जड़ से यह दोबारा उगता है। बांस पारंपरिक वनों पर दबाव भी कम करता है और इस तरह वन और जल संरक्षण में योगदान देता है।

दुनिया भर में बांस के जंगल लगभग 3.15 करोड़ हेक्टेयर में फैले हुए हैं। चीन, भारत और म्यांमार प्रमुख बांस उत्पादक देश हैं। कई वैश्विक पहलें जलवायु परिवर्तन के शमन में बांस की भूमिका पर जोर देती हैं। इथियोपिया और घाना जैसे देश अपने पुनर्वनीकरण और भूमि बहाली प्रयासों के तहत बांस की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। कोलंबिया और इक्वाडोर जैसे देश सतत विकास और जलवायु लचीलेपन के लिए बांस को अपनी राष्ट्रीय रणनीतियों में शामिल कर रहे हैं। चीन ने भी जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बांस की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े बांस उत्पादकों में से एक है, जहां लगभग 1.4 करोड़ हेक्टेयर बांस के जंगल हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में देश के बांस संसाधनों का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा है। केंद्र सरकार के बांस मिशन का उद्देश्य बांस की खेती और इसके टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देना है। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में बांस के जंगल प्रति वर्ष लगभग 12 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकते हैं। यह आंकड़ा भारत के जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में बांस के संभावित योगदान को दर्शाता है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) ग्रामीण समुदायों की आजीविका बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए गैर-वन क्षेत्रों में बांस की खेती को बढ़ावा देता है।

प्रतिस्पर्धी विचारों की जरूरत, ताकि संसाधनों का हो सके प्रभावी इस्तेमाल

बजट का इतिहास खुद में एक दिलचस्प यात्रा है। किवदंती है कि मध्ययुगीन फ्रांस में यायावर गीतकार बोगेट (बजट) में रखे गए अपने धन का प्रबंधन किसी संरक्षक को सौंपते थे, जिसे बजटकर्ता के रूप में जाना जाता था। ब्रिटेन में जब बजट शब्द का उपयोग होने लगा, तो इसने अपना प्रभामंडल और कद हासिल किया। 1400 ईस्वी तक ब्रिटिश संसद महज एक याचिका निकाय थी, जहां सांसद अपनी शिकायतों के समाधान की मांग करते थे और राजशाही खर्च योजना को मंजूरी देती थी। 18वीं सदी तक, चांसलर द्वारा पेश किए जाने वाले बजट का उद्देश्य खर्च को कम करना और एक नए सामाजिक अनुबंध के अनुसार, राजा की कर लगाने की शक्ति पर अंकुश लगाना था। आधुनिक काल में ब्रिटेन में कड़ी प्रतिद्वंद्विता के कारण छाया मंत्रिमंडल और छाया बजट की रूपरेखा तैयार हुई, जिससे संस्थाओं को प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण एवं योजनाएं पेश करने का मौका मिला। वास्तव में मौजूदा चुनाव में भी सट्टेबाजी और अन्य घोटालों के अलावा प्रमुख मुद्दा टोरिज और लेबर पार्टी के बीच वैचारिक प्रतिद्वंद्विता है। वैकल्पिक बजट केवल ब्रिटेन में ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड और दक्षिण अफ्रीका तक में प्रचलित है। इसी महीने बाद में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 2024ङ्क25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह कवायद ऐसे समय हो रही है, जब कुछ दिनों पहले लोकसभा चुनाव में दोनों गठबंधनों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर घोषणापत्रों एवं बयानबाजी के जरिये अपने दृष्टिकोण पेश किए, जिनमें बेरोजगारी, कृषि संकट, महंगाई, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे वलंत मुद्दे शामिल थे। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र (न्याय पत्र) में कई विचार पेश किए। भाजपा के प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण मोदी की गारंटी की झलक स्पष्ट रूप में बजट में दिखेगी। आम तौर पर किसी भी बजट के बाद होने वाली बहस दावों और प्रतिदावों के शोर की प्रतिस्पर्धा होती है। इसके बाद विलाप का एक सुनियोजित कोरस होता है कि किसने किया और क्या नहीं किया। इस बहस में बजट आवंटन पर कोई सूचना नहीं होती। विपक्ष हमेशा दावा करता है कि इसे बेहतर किया जा सकता था। सवाल उठता है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को छाया मंत्रिमंडल बनाने से कौन रोकता है, जिसमें मंत्री मंत्रालयों की निगरानी करते हैं और एक प्रतिस्पर्धी बजट पेश करते हैं। विपक्षी गठबंधन अपने दावों को दस्तावेज के रूप में क्यों नहीं दूध का दूध और पानी का पानी की तरह साबित कर सकता?

सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध जानकारी तक विपक्ष की पहुंच है। फरवरी, 2024 में पेश किए गए अंतरिम बजट में बुनियादी मैक्रो डाटा शामिल है। इसके अलावा, पूर्वानुमानों के अद्यतन आंकड़े भी उपलब्ध हैं-इसमें 2023-24 के लिए जीडीपी के अनंतिम अनुमान, बेहतर प्रत्यक्ष कर संग्रह का विवरण, जीएसटी प्राप्तियों के आंकड़े, भारतीय रिजर्व बैंक से अधिशेष, मौद्रिक नीति समिति के बयानों में विकास और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान शामिल हैं। वैकल्पिक बजट को सरकार द्वारा बजट पेश किए जाने के एक या दो दिन पहले या बजट के एक दिन बाद जारी किया जा सकता है।

बजट तैयार करना राजनीतिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं को एक साथ जोड़ने का विज्ञान और कला, दोनों है। यह देश के लोगों के लिए उपयोगी होगा, ताकि वे विकास के एजेंडे को कैसे तैयार किया जाए इस पर दोनों पक्षों के फोकस और दृष्टिकोण की तुलना कर पाएंगे। चुनाव अभियान ने मुद्रास्फीति, कृषि संकट और बेरोजगारी के मुद्दों पर बढ़ती चिंता और मध्यम वर्ग की कथित उपेक्षा की पीड़ा को उजागर किया। कांग्रेस के पास यह दिखाने का अवसर है कि वह किस तरह से अपने विचारों को सामने रखेगी और अर्थव्यवस्था को गति देगी। मसलन, प्रशिक्षुता कार्यक्रम और प्रति वर्ष एक लाख रुपये का भुगतान, प्रत्येक गरीब परिवार को एक लाख रुपये बिना शर्त नकद हस्तांतरण की महालक्ष्मी योजना। यह कोई रहस्य नहीं है कि नोटबंदी, जीएसटी की शुरुआत और कोरोना महामारी जैसे कई व्यवधानों के कारण रायों में कई अनौपचारिक उद्यम और एमएसएमई बंद हो गए।

असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के ताजा वार्षिक सर्वे के विश्लेषण से पता चलता है कि 18 लाख उद्यमों के बंद होने से 50 लाख से यादा नौकरियों का नुकसान हुआ। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन उत्तर प्रदेश या महाराष्ट्र में कौशल विकास वृत्ति द्वारा सक्षम एक मॉडल कार्यक्रम या 'आकांक्षी जिलों' में एक बड़ा कार्यक्रम पेश कर सकता है। यह भी सबको मालूम है कि प्राथमिक स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जरूरत और उपलब्धता के बीच भारी अंतर है। विपक्षी पार्टियां स्वास्थ्य और अन्य पहलों के विस्तार के लिए एक फंडिंग योजना की रूपरेखा बना सकती हैं, साथ ही विकास को समर्थन देने के लिए एक विधायी एजेंडा भी बना सकती हैं।

वैकल्पिक बजट विपक्षी गठबंधन को यह दिखाने का मौका दे सकता है कि संसाधनों (जैसे बढ़े हुए राजस्व और आरबीआई के अधिशेष) को बेहतर परिणामों के लिए कैसे इस्तेमाल किया जाता है या किया जाना चाहिए। इसके लिए विपक्षी गठबंधन पूर्व वित्त मंत्रियों, अर्थशास्त्रियों जैसे जानकार लोगों को इकट्ठा करके इस कार्य के लिए आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन कर सकता है। पार्टियां बजट की तरह बुनियादी टेम्पलेट पेश करने के लिए सहयोग कर सकती हैं, जिसमें राजस्व की प्राप्ति और खर्च के साथ उद्देश्य को दर्शाया गया हो।

वैकल्पिक दृष्टिकोण केवल राजनीतिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे। यह काम कॉरपोरेट द्वारा वित्त पोषित थिंक टैंक एवं उद्योग मंडलों द्वारा भी किया जा सकता है। उद्योग मंडलों की इछा सूची में पूंजीगत व्यय में 25 फीसदी की वृद्धि, पीएलआई का विस्तार, निम्न एवं मध्य आय वर्ग के परिवारों को आयकर में राहत का प्रावधान, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर निवेश में वृद्धि, छोटे उद्यमियों को समर्थन, मौजूदा कॉरपोरेट टैक्स पर यथास्थिति शामिल हैं, हालांकि इसमें वित्तीय समेकन पर जोर दिया गया है। भारत इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। ऐसे में क्या है और क्या हो सकता है के बीच राजनीति फंसी नहीं रह सकती। जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकी व भू-राजनीति जैसे व्यवधान अनिश्चितता को बढ़ा रहे हैं। एक अरब से अधिक लोगों की आकांक्षाएं जीवन और आजीविका के मुद्दों पर हितधारकों से प्रतिस्पर्धी विचारों की हकदार हैं।

विद्यार्थियों को शासकीय कार्यालयों का भ्रमण कराने की करें पहल- कलेक्टर एवं अध्यक्ष

केंद्रीय विद्यालय के परिसर में किया जाएगा वृक्षारोपण

शहडोल

केंद्रीय विद्यालय समिति प्रबंधन की बैठक सम्पन्न

कलेक्टर एवं अध्यक्ष केंद्रीय विद्यालय समिति प्रबंधन श्री तरूण भटनागर की उपस्थित में आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल के सभागार में केंद्रीय विद्यालय समिति प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सुझाव देते हुए कहा कि विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत कार्यालय, नगरपालिका द्वारा किये जा रहे कार्यों, बीज उत्पादन प्रक्रिया जैसे अन्य शासकीय कार्यालयों का भ्रमण कराएं और कार्यालयों द्वारा किये जा रहें कार्यों को अवगत कराने की पहल करें। कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री तरूण भटनागर ने कहा कि सीएसआर मद से शैक्षणिक संस्थानों में सोलर पैनल, बैटरी बैकअप, खेलकूद जैसे अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराए जा सकते है इसके लिए कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया है जिसमें पौधरोपण के कार्य कर ऑनलाइन पोर्टल में अपलोड भी किये जा रहे है। बैठक में समिति के सदस्य श्री चंद्र जी दार ने कलेक्टर को अवगत कराया कि केंद्रीय विद्यालय के परिसर में रिक्त पड़ी भूमि पर वृक्षारोपण के कार्य कराए जा सकते है। जिस पर समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि केंद्रीय विद्यालय के परिसर में वृक्षारोपण के कार्य कराए जाए व उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लिये जाएगें।

बैठक में सदस्यों द्वारा बैटरी बैकअप, खेलकूद की गतिविधियो, लोकल फॉल वोकल के कार्य, योगाभ्यास कराने जैसे अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिये गए। बैठक में प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय श्रीमती कीर्ति मिश्रा ने प्रजेंटेशन के माध्यम से कला, स्काउड गाईड, वीडिंग आउट कैंपन, सुगम्य विद्यालय के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए रैप, अलग-अलग शौचालयों, आत्मरक्षा हेतु कैंप, विद्यालय में शिकायत निवारण समिति, पीएम श्री योजना के तहत किये गए कार्यों, पर्यावरण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना जैसे अन्य कार्यो को अवगत कराया। उक्त किये कार्यों को कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री तरूण भटनागर ने सराहना की। कलेक्टर एवं अध्यक्ष ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय शहडोल में बनाई गई डिजीटल लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया बैठक में केंद्रीय विद्यालय समिति प्रबंधन के सदस्य श्रीमती प्रभा कुशवाहा,श्री मुनींद्र मिश्रा, श्री कमलेश मिश्रा, श्रीमती उषा सिंघल व अन्य सदस्यगण उपस्थित थें।

पीएम श्री विद्यालय आगर एवं शाजापुर जिले के 11 पीएम श्री स्कूलों में कार्यरत 50 शिक्षक शिक्षिकाओं का क्षमता संवर्धन पांच दिवसीय प्रशिक्षण

रुद्रांश दर्पण शाजापुर डाइट शाजापुर में दिनांक 25 जून 2024 से 29 जून 2024 तक आयोजित हुआ जिसमे एक दिन पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय शाजापुर का अवलोकन करवाया गया प्रशिक्षण परभारी डॉ बालेंद्र श्रीवास्तव ,वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती अनीता श्रीवास्तव एव बनवारी लाल बैरागी के नेतृत्व मे प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट भी करवाई गई। प्रशिक्षण प्रभारी डॉक्टर श्री बालेंद्र श्रीवास्तव जी द्वारा बताया गया कि पीएम श्री के शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने छात्रो मे विभिन्न कौशलों के विकास के द्वारा अनुशासन समयबद्धता नियमित अध्यापन सहित भयमुक्त वातावरण में आनंददाई शिक्षा तथा गतिविधि आधारित शिक्षा देने पर बल दिया ईस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय की प्राचार्य सन्ध्या एस तरफदार ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में सभी प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि यह विद्यालय पीएम श्री विद्यालय है नई शिक्षा नीति के अनुरूप ईस विद्यालय मेछात्रों को 21वीं सदी के कौशलों को निखारने के लिए ड्राइंग पेंटिंग कागज के खिलौने बनाना गुड़िया बनाना संगीत डांस सभी प्रकार के इंडोर और आउटडोर गेम्स के माध्यम से रुचि पूर्ण वातावरण मे आईसीटी का उपयोग करते हुए नई-नई प्रविधियां से शिक्षण कार्य करवाया जाता है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। प्राचार्य महोदय ने दो दल बनाकर संपूर्ण विद्यालय का निरीक्षण करवाया। एक

दल का नेतृत्व स्वयं प्राचार्य महोदय एवं श्रीमती अनीता श्रीवास्तव कर रहे थे तथा दूसरे दल का नेतृत्व। केंद्रीय विद्यालय के प्राध्यापक श्री तिवारी जी और डॉक्टर बालेंद्र श्रीवास्तव ने किया संपूर्ण विद्यालय में प्रिंट रिच वातावरण अर्थात पूरे भवन की दीवारें सीढ़ियां। बोलती हुई प्रतीत हो रही थी। सभी पर शिक्षण से संबंधित चित्र बने हुए थे। समस्त शिक्षणार्थियों ने फिजिक्स लैब जीव विज्ञान लैब रसायन लैब कम्प्यूटर लैब संगीत कक्ष टीएम निर्माण कक्ष गतिविधि कक्ष एवम सभी सुसज्जित कक्षाओं का भी अवलोकन किया। सभी प्रशिक्षणार्थियों विद्यालय देखकर प्रसन्न हुए सभी ने प्राचार्य महोदया का बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया। आभार श्रीमती अनिता श्रीवास्तव ने माना।

कलेक्टर ने क्रिज प्रतियोगिता कैलेंडर विमोचन किया

पर्यटन क्रिज प्रतियोगिता हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 8 जुलाई

भिण्ड मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाली क्रिज प्रतियोगिता कैलेंडर विमोचन आज 02 जुलाई 2024 को कलेक्टर भिण्ड श्री संजीव श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री देवेन्द्र सिंह नरवरिया, अपर कलेक्टर एवं जिला नोडल अधिकारी श्री एल.के पाण्डेय, महिला बाल विकास अधिकारी श्री संजय जैन, डीपीसी श्री व्योमेश शर्मा, जिला आबकारी अधिकारी, क्रिज मास्टर श्री सत्यभान सिंह भदौरिया एवं क्रिज प्रतियोगिता आयोजन प्रभारी श्री प्रबल श्रीवास्तव जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद भिण्ड सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का विकास खण्ड स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

शाजापुर शाजापुर। राज्य शिक्षा केन्द्र साक्षरता के निर्देशानुसार जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात 2 जुलाई, मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर के सभागार में डीपीसी श्री राजेन्द्र सिप्रे, बीआरसी शाजापुर श्री योगेश भावसार, जिला सह समन्वयक बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता, श्री देवेंद्र पाठक, श्रीमती हेमलता जादमे, श्री संतोष बोयत,विकास खण्ड समन्वयक शाजापुर श्री श्याम परमार,जन शिक्षा केन्द्र शाजापुर के समस्त जनशिक्षक आदि की उपस्थिति में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के बारे में निर्धारित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और उपस्थित सभी विकास खण्ड स्तर के पदाधिकारियों को इस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की जानकारी, उद्देश्य, आगामी लक्ष्यों, योजना, 2011 की जनगणना के अनुसार जिले में असाक्षरो की संख्या आदि बिंदुओं पर जिला सह समन्वयक सहित सभी विकास खण्ड के सह समन्वयकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

नेमावर पुलिस ने जुआ खेल रहे 29 आरोपियों धरदबोचा, 1 लाख 74 हजार नगदी किए जब्त

देवास

देवास। जिले के नेमावर थाना पुलिस ने अवैध रूप से चलाए जा रहे जुआ के गिरोह को घेराबंदी कर धरदबोचा। कार्रवाई में पुलिस ने 29 आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते पकड़ा। जुआरियों के पास से 1 लाख 74 हजार

191 रू नगदी एवं 52 तासपत्ती, एक काले रंग का बैग, कार रिनाल्ट ट्रीबर, क्रीड कार एवं कार क्रेटा जिनकी कुल किमती 21 लाख 74 हजार 191 रु की जप्त कर थाने लेकर आये।

थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय द्वारा पूर्व में सभी थाना प्रभारीगण को अवैध जुआ पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। जो इसी तारतम्य में एडीशनल एसपी ग्रामीण आकाश भूरिया एवं एसडीओपी कन्नौद केतन अडलक के निर्देशन में गठित टीम थाना कन्नौद उनि दीपक, थाना सतवास उनि अभिषेक सेंगर एवं जियागांव चौकी प्रभारी सर्जन सिंह एवं थाना प्रभारी नेमावर सुरेखा निमोदा की टीम के द्वारा बडी संख्या में संचालित हो रहे जुआ के आरोपियों को पकड़कर कार्यवाही की गई। मुखबीर से सूचना मिली कि रोहित पवांर निवासी खारदा का उसके खेत पर बने मकान के अंदर कुछ लोगो को बैठाकर जुआ खिलवा रहा है। तस्दीक हेतु रोहीत पवांर के खेत पर बने मकान पहुंचे जहा चारो ओर से मकान की घेराबंदी कर आरोपीयो को एक बंद कमरे में लाईट के उजाले में रूपये पैसो से हार-जीत का दाव लगाकर ताश पत्तो से जुआ खेलते हुये कुल 29 व्यक्तियो को पकड़ा। जिनसे 1 लाख 74 हजार 191 रू नगदी एंव 52 तासपत्ती, एक काले रंग का बैग एंव कार पीले रंग की कार रिनाल्ट ट्रीबर, नीले रंग की क्रीड कार एवं काले कलर की क्रेटा कुल किमती 2174191 रु की जप्त कर थाने लेकर आये। आरोपीगणों के विरुध्द थाना नेमावर पर अपराध जुआ अधिनियम का पंजीबध्द किया गया।

ये आरोपीगण हुए गिरफ्तार 1. दिलीप पिता बाबूलाल शर्मा जाति ब्राहम्ण उम्र 42 साल निवासी गांधी चौक नसरुल्लागंज 2. रोहीत पिता रामेश्वर पवांर जाति कलोता उम्र 31 साल निवासी ग्राम खारदा 3. अंतीक अंसारी पिता मो. हुसैन जाति मुसलमान उम्र 28 साल निवासी वार्ड क्रमांक 31 पुख्ता मस्जिद के सामने सिहोर 4. तरूण राठौर पिता दिनेश राठौर जाति तेली उम्र 25 साल निवासी कृष्णमंदिर वाली गली गोपालपुर 5. अरूण पिता बाबूलाल जाट उम्र 23 निवासी ग्राम पुरा पो. करताना 6. आनंद पिता दीपक उपाध्याय जाति ब्राहम्ण उम्र 24 साल निवासी ग्राम बीजापुर 7. समीर पिता सुरेश चावडा जाति राजपूत उम्र 24 साल निवासी डाक बंगले के पीछे अजनास रोड खातेगांव 8. निर्मल पिता मूरत सिंह यादव जाति अहीर उम्र 32 साल निवासी ग्राम राला थाना नरसुल्लागंज जिला सिहोर 9. वसीम पिता अजीम खां जाति मुसलमान उम्र 32 साल निवासी गंजीबड इछावर 10. विमल पिता बोंदर जाट उम्र 28 साल निवासी नोसरपुरा पो. करताना 11. पंकज पिता जगदीश जाट उम्र 26 साल निवासी ग्राम करताना 12. संजू पिता मांगीलाल बंजारा उम्र 35 साल निवासी वार्ड क्रमांक 01 बिजली आफीस क सामने नरसुल्लागंज 13. गजराज पिता

मांगीलाल पवार उम्र 38 साल निवासी ग्राम नंदगाव तह. नरसुल्लागंज जिला सिहोर 14. रविन्द्र पिता बालकृष्ण प्रजापति जाति कुम्हार उम्र 32 साल निवासी कुम्हार मोहल्ला खातेगांव 15. नितिन पिता प्रेमनारायण पवार जाति चमार उम्र 28 साल निवासी वार्ड क्रमांक 07 संतोष नगर मंडीदीप 16. अनिल पिता कैलाश गोदारा जाति जाट उम्र 30 साल निवासी ग्राम पुरा पो. करताना 17. रोहीत पिता आनंद सिसौदीया जाति राजपूत उम्र 23 साल निवासी पवार कालोनी खातेगांव 18. मुकेश पिता मांगीलाल यादव जाति अहीर उम्र 47 साल निवासी पैराशिटी कालोनी हरदा 19. योगेन्द्र पिता रामसिंह धाकड उम्र 21 साल निवासी चौतलाय तह. शिवनीमालवा जिला नर्मदापुरम 20. सोहेल पिता शहीद मंसुरी जाति पिंजारा उम्र 24 साल निवासी जैन मंदिर के पास खैडीपुरा हरदा 21. बालकृष्ण पिता रमेश शर्मा जाति ब्राहम्ण उम्र 41 साल निवासी ग्राम पांढरमाटी थाना रहटगांव हाल खंडवा बायपास सिवील लाईन थाने के पास हरदा 22. असलम पिता रहीम शाह जाति फकीर उम्र 28 साल निवासी दिगवाड थाना रहटी जिला सिहोर 23. अशोक पिता शिवप्रसाद सेन जाति नाई उम्र 39 साल निवासी किसान मोहल्ला वार्ड क्रमांक 03 नरसुल्लागंज 24. जितेन्द्र पिता रमेशचंद्र सेन जाति नाई उम्र 24 साल निवासी पान्डल्या तह. नरसुल्लागंज जिला सिहोर 25. मुकेश पिता रमेश राठौर जाति तेली उम्र 45 साल निवासी शास्त्री कालोनी नरसुल्लागंज जिला सिहोर 26. आत्माराम पिता रामस्वरूप यादव जाति गवली उम्र 37 साल निवासी नीलकंठ रोड राधेश्याम कालोनी तह भैरूदा जिला सिहोर 27. गजैन्द्र पिता हेमंतसिंह परीहार जाति राजपूत उम्र 29 साल निवासी वार्ड क्रमांक 03 परशुराम कालोनी खातेगांव 28. उदयसिंह पिता कुवंर सिंह वर्मा जाति खाती उम्र 29 साल निवासी गाजीखेडी इछावर जिला सिहोर 29. विजय पिता गजेन्द्र चौहान जाति माली उम्र 30 साल निवासी मंडीगेट के पास खातेगांव- सराहनीय कार्य एसडीओपी केतन अडलक, निरी. सुरेखा निमोदा, उनि संजय सौराष्ट्रीय उनि दीपक भोण्डे, उनि अभिषेक सेंगर, उनि सर्जन सिंह मीणा, प्रआर दुर्गेश विश्नोई, प्रआर धन्नालाल चौरे, प्रआर मनीष मीणा, आर. भरत शर्मा, आर. नितेश गौर, आर. सुमित, आर मनीष शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

य जनता युवा मोर्चा ने राहुल गांधी का जलाया पुतला

संसद में करोड़ों हिंदुओं को कहा हिसंक, लोगो में दिखा आक्रोश भारती

रणधीर चंदेल। सिटी चीफ।

गुना, गुना कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा संसद में दिए गए हिंदू विरोधी वक्तव्य पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले युवा मोर्चा गुना द्वारा राहुल गांधी का पुतला जलाया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा सोमवार को संसद में हिंदू विरोधी वक्तव्य देते हुए उन्होंने करोड़ों हिंदुओं को हिसंक कहा जिससे देश के सभी हिन्दुओं में आक्रोश व्याप्त हे। इसी को लेकर प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह धाकड़ के नेतृत्व में जयस्तंभ चौराहा गुना पर युवा मोर्चा के बैनर तले भाजपा जनों ने एकत्रित होकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रगट किया। साथ ही राहुल गांधी मुर्दावाद के नारे लगाकर विरोध जताया। गांधी परिवार ने हिंदू समाज को हिंसक कहना अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया है। जिस तरह लोकसभा सदन में उन्होंने भगवान शिव शंकर भोलेनाथ के पोस्टर लेकर उन्होंने हिंदू समाज पर जो आरोप लगाए हैं। देश की सम्पूर्ण हिंदू समाज से सार्वजनिक माफी मांगना चाहिए। क्योंकि उन्होंने पूरे हिंदू समाज को कलंकित करने का कार्य किया है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रिंस जैन ने की राहुल गांधी के वक्तव्य की निंदा

राहुल गांधी हिन्दुओं की भावना भड़काने और देश के सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं-प्रीतम सिंह

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला दमोह द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में और युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन के नेतृत्व में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सम्र्रग हिंदु समाज को हिंसक और अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में राहुल गांधी की शव यात्रा निकाल स्थानीय घंटाघर पर पुतला दहन किया गया। साथ ही जिले के सभी 22 मंडलों में पुतला दहन किया गया, जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा पूरे देश में जगह जगह सार्वजनिक मंचों से हिंदुओं के ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही है, उसके उल्ट राहुल गांधी द्वारा हिन्दुओं को हिंसक कहा गया, राहुल गांधी इस देश के सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं, हिंदुओं की भावना भड़काने का कार्य राहुल गांधी द्वारा किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह है कि वह राहुल गांधी को सदन से बहिष्कृत करें।भारतीय जनता पार्टी सदैव हिंदुओं की रक्षा के लिए संकल्पित है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन कहा कि कॉग्रेस पार्टी के नेता , सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिन्दुओं के लिए जिस तरह अमर्यादित और आपत्ति जनक टिप्पणियां की है संपूर्ण युवा मोर्चा इसकी कड़ी निन्दा करता है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शिखा जैन कहा कि सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा अपने वक्तव्य में जिस तरह समस्त हिन्दू समाज की भावनाओं को आहत किया है। जबकि हिंदू समाज में वसुधैव कुटुंबकम् की विचारधारा समाहित है। हिंदू देवी देवता के अपमान और हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने के लिए राहुल गांधी माफी मांगे। पुतला दहन में जिला उपाध्यक्ष अरुण तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र परिहार, मंडल अध्यक्ष पवन तिवारी, महामंत्री श्याम विश्वकर्मा, पार्षद यशपाल ठाकुर , महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शिखा जैन, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष गणेश जाटव, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष साजिद रिजवी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन, जिला उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, महेंद्र राठौर, आलोक मुखरैया, जिला मीडिया प्रभारी राहुल कुमार जैन, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रघुवीर रजक, मयंक तोमर, राजुल चौरहा, राकेश लोधी, मण्डल पदाधिकारी सृजन असटी, शिवेंद्र तिवारी, स्वप्निल प्यासी सहित भाजपा युवा मोर्चा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं की उपातिथि रही।

दमोह में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगाये गये विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक

437 गर्भवती महिलाओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं एवं दूरस्थ क्षेत्र केरबना के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगाये गये विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक दौरान 437 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच चिकित्सक द्वारा की गई। स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में पहुंची गर्भवती महिलाओं को एनीमिया से बचाव के लिए नियमित रूप से आयरन की टेबलेट एवं संतुलित पोषण आहार का सेवन करने की समझाईश दी गई। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं कैल्शियम टेबलेट का वितरण भी किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में डॉ. प्रियंका छाबड़ा द्वारा की गई 46 गर्भवती महिलाओं की जाँच के दौरान 10 जोखिम वाली महिलाओं की पहचान की गई। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बासांकलां एवं सदगुवां में 42 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, इसमें 10 हाईरिस्क महिलाओं का चिन्हांकन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जबेरा में 65 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। मॉडरेट एनीमिक पायी गई 2 गर्भवती महिलाओं को आयरन सुक्रोज लगाया गया। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नोहटा एवं रौंड में 30 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। इस मौके पर 4 गर्भवती महिलाओं को आयरन सुक्रोज भी लगाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बटियागढ़ के क्षेत्र केरबना हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में 33 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच डॉ. सौरभ द्वारा की गई। स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में पहुंची सभी गर्भवती महिलाओं को एनीमिया से बचाव के लिए आयरन एवं कैलशियम टेबलेट का वितरण किया गया और गर्भावस्था में होने वाले खतरों के लक्षणों के बारे में बताया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हिण्डोरिया में डॉ. नेहा गौतम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 3 गर्भवती महिलाओं में जोखिम के लक्षण पाये गये। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बांदकपुर में 19 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें 2 जोखिम वाली महिलाएं चिन्हित की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अभाना में 14 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रसव पूर्व आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में समझाईश दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ईमलियाघाट में डॉ. राहुल जैन द्वारा गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटेरा में 40 गर्भवती महिलाओं एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुम्हारी में 49 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच दौरान 3 महिलाएं जोखिम वाली पाई गई, सभी को समुचित प्राथमिक उपचार सेवा दी गई। वहीं सिविल अस्पताल हटा में 48 गर्भवती महिलाओं का परीक्षण डॉ. भावना जैन द्वारा किया गया। जोखिम वाली 8 गर्भवती महिलाओं की पहचान कर समुचित प्राथमिक उपचार किया गया।

13 विभागों के 26 एल-1 एवं एल-2 अधिकारियों पर लगा जुर्माना

367 शिकायतों के अनिराकृत होने पर कलेक्टर ने 36 हजार 700 रूपये का जुर्माना किया अधिरोपित

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सी. एम. हेल्पलाईन पोर्टल पर माह मई 2024 में अनिराकृत पाई गई शिकायतों का निराकरण एल-1, एल-2 अधिकारियों द्वारा समय-सीमा में न किये जाने एवं वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना किये जाने के फलस्वरूप प्रति शिकायत 100 रूपये के मान से 13 विभागो के 26 अधिकारियों पर 367 शिकायतों के अनिराकृत होने के आरोप में 36 हजार 700 रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। उन्होंने कहा है उक्त जुर्माने की राशि 03 दिवस के भीतर लोक सेवा प्रबंधन विभाग दमोह के कार्यालय (कक्ष क्रमांक 72 कलेक्ट्रेट) में जमा कर रेडक्रॉस सोसाइटी की रसीद प्राप्त करें अथवा रेड क्रॉस सोसायटी दमोह के बैंक खाते में जमा कर रसीद इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने आदेशित किया है कि शिकायतों के अनिराकृत होने की पुर्नावृत्ति न हो।

ज्ञातव्य है नागरिकों की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने हेतु राज्य शासन द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन 181 को संचालित किया जा रहा है। सी. एम. हेल्पलाईन 181 पोर्टल पर नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण में एल-1/एल-2 अधिकारियों का मुख्य उत्तरदायित्व रहता है। शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के संबंध में लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा पर्याप्त प्रशिक्षण भी दिया गया है साथ ही समय-समय पर निर्देश भी जारी किये गये हैं। उपरोक्त प्रशिक्षण व निर्देशों के उपरांत भी सी. एम. हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतें अनिराकृत पाई जा रही हैं।

शिवपुरी में हिन्दू संगठनों ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया

हिंदुओं को हिंसक बोलने वाले बयान पर हंगामा

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।

शिवपुरी, देश मे लोकसभा सत्र के दौरान संसद में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को हिंसक बताए जाने वाले बयान पर देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं आज विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शिवपुरी के माधव चौक पर रैली निकालकर राहुल गांधी का पुतला फूंका। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री नरेश ओझा ने कहा कि संसद में जिस प्रकार राहुल गांधी ने हिंदू धर्म को हिंसा फैलाने वाला, झूठ फैलाने वाला और नफरत फैलाने वाला बताया ।राहुल गांधी ने हिंदू धर्म का अपमान किया है। जिसे हिंदू समाज के लोग सहन करने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी को अपने बयान पर मांफी मांगनी चाहिए। अगर राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया तो हिंदू समाज आंदोलन करेगा।

बेटी की शादी का कार्ड लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा पीड़ित पिता

जमा खाते से रुपए निकालने की गुहार लगाई

कुलदीप गुप्ता। शिवपुरी।

शिवपुरी, शिवपुरी कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में एक पिता अपनी बेटी की शादी का कार्ड लेकर कलेक्टर के पास पहुंचा । पिछोर थाना क्षेत्र के गौचीनी गांव के रहने बाले भगवान सिंह लोधी ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी के लिए पैसे इकट्ठा कर सहकारी बैंक के खाते में 1 लाख 46 हजार 800 रुपए जमा करवा दिए थे अब उसकी बेटी की शादी 12 जुलाई को है। लेकिन बैंक उसके खाते में जमा पैसों को वापस लौटाने ने इनकार कर रहा है। ऐसे में उसके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है और अगर अब रुपयों की बजह से मेरी बेटी की शादी टूटती है तो घर मे कुछ भी अनहोनी घटना घटित हो सकती है इसलिए मेरे जमा पैसे बैंक वालों से बापस दिलवाने की गुहार लगाई।

शिवपुरी नगरपालिका अकॉउंटेट का रिश्वत लेते वीडियो हुआ वायरल

नेता प्रतिपक्ष ने नगरपालिका सीएमओ को भी रिश्वत के खेल में शामिल बताया

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ।

शिवपुरी, शिवपुरी नगरपालिका के अकाउंटेंट द्वारा पैसे लेने का एक वीडियो नगरपालिका की नेता प्रतिपक्ष और महिला पार्षद शशि शर्मा द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने अकाउंटेंट पर रिश्वत लेने के आरोप लगाए हैं। वहीं उन्होंने नगरपालिका सीएमओ को भी रिश्वत के खेल में शामिल बताया। वायरल वीडियो कुछ दिनों पुराना बताया जा रहा है वायरल वीडियो में नगरपालिका अकाउंटेंट लिफाफे में रखे पैसे लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिसमे वह एक लिफाफा खोल कर चेक कर रख लेते हैं। जब दूसरा लिफाफा वह हाथ में लेते हैं। तभी एक व्यक्ति उन्हें लिफाफे से दो 500 के नोटों की गड्डी निकालकर रुपयों को गिन लेने की कहता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके बाद अकाउंटेंट वीडियो में यह भी कह रहें है कि जैसा आता है वैसा जाता है। नेता प्रतिपक्ष शशि शर्मा का कहना है कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर हैं। उनके पास यह वीडियो आया था। वह नगर पालिका में चल रहे भ्रष्टाचार को एक्सपोज करना चाहती हैं इसके लिए उनके द्वारा यह वीडियो डाला गया है। हालांकि नगर पालिका में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का खेल रूक नहीं सकता फिर भी वह आगामी परिषद की बैठक में वह इस सवाल को उठाएगी और जवाब मांगेगी। वहीं नगरपालिका सीएमओ केशव सगर का कहना है कि मैंने वीडियो अभी देखा नहीं है अगर ऐसा है तो उन पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

बाढ नियंत्रण के दृष्टिगत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की बैठक

आपदा राहत के कार्यों में लापरवाही क्षम्य नहीं :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, राज्यमंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता एवं महापौर डॉ0 अजय सिंह, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक बेहट उमर अली खान, जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थिति में बाढ नियंत्रण के दृष्टिगत संबंधित विभागों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गयी तथा विभागवार तैयारी के संबंध में चर्चा की गयी और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। राज्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के समय जन-धन की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। संबंधित सभी विभाग अलर्ट मोड में रहें। विगत वर्ष में बाढ़ से जन-जीवन को हुए नुकसान के लिए समय पर मुआवजा देने एवं राहत कार्य में अच्छा कार्य हुआ है। इस वर्ष भी बेहतर समन्वय और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ की आपात स्थिति हेतु पर्याप्त रिजर्व स्टॉक का एकत्रीकरण कर लिया जाए। इन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था एवं आवश्यक उपकरणों का भी प्रबन्ध होना चाहिए। अतिवृष्टि के कारण जिस भी किसान की फसल खराब हो, बिना विलंब उसकी क्षतिपूर्ति कराई जाए। सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सिंचाई एवं जल संसाधन, खाद्य एवं रसद, राजस्व एवं राहत, पशुपालन, कृषि, जिला आपदा प्रबन्धन के बीच बेहतर तालमेल हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला एवं तहसील स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूम 24म7 सक्रिय रहें। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी फ्लड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमें 24 घण्टे एक्टिव मोड में रहें। नौकाएं और राहत सामग्री आदि के प्रबंध समय से कर लें। सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, आपूर्ति विभाग तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संयुक्त रूप से बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का पहले ही भ्रमण कर लें। प्रभावित परिवारों को हर जरूरी मदद तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

महापौर डॉ0 अजय सिंह ने अर्बन फ्लड तथा नालों की सफाई व बाढ से बचाव के संबंध में नगर निगम द्वारा की गयी तैयारियों के बारे में बताया एवं आवश्यकतानुसार हर सहयोग करने की बात कही। विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम ने बाढ से नुकसान होने पर किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाने के लिए किए जाने वाले सर्वे में तेजी के साथ पारदर्शिता लाने की बात कही। जिससे हर पात्र को सरकार की ओर से जल्द से जल्द सहायता राशि मिल सके। विधायक बेहट उमर अली खान ने माँ शाकुम्भरी देवी मन्दिर के नदी के किनारे दुकान लगाने वाले दुकानदारों के अचानक बाढ का पानी आने से होने वाले नुकसान से बचाव के उपायों को पहले से ही अपनाने की बात कही। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि बाढ़ के दौरान और बाद में बीमारियों के प्रसार की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य किट, डिग्निटी किट तैयार करके रख ली जाए। क्लोरीन टैबलेट, ओआरएस आदि की उपलब्धता होनी चाहिए। बुखार आदि की पर्याप्त दवा उपलब्ध हो। सर्प दंश की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सकीय मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा के समय राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी गौशाला में जलभराव की स्थिति न हो तथा स्टॉक किया हुआ भूसा और चारा भी खराब न हो। पशुओं का टीकाकरण समय से कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता से भी कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली के पोल, तार, सड़क आदि समय से ठीक कर लिए जाने चाहिए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि गोताखोरों, नाविकों, तैराकों एवं आपदा मित्रों का डाटा अपडेट रखते हुए निरंतर उनसे सम्पर्क में रहें। सभी बाढ सुरक्षा चौकियां एक्टिव रहें एवं उन पर बैनर लगाकर संबंधित अधिकारियों के नम्बर भी प्रदर्शित किए जाएं। राहत कार्य में प्रयोग होने वाले सभी उपकरणों की क्रियाशीलता पहले से ही जांच लें। सभी खतरनाक स्थलों को पहले से ही चिन्हित कर उन पर चेतावनी चिन्ह लगाते हुए सुरक्षा के उपाय कर लिए जाएं। आवश्यकतानुसार राहत शिविरों को बढा लिया जाए।उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ से संवेदनशील स्थानों के दृष्टिगत पहले से ही बचाव के उपाय करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा के लिए जनप्रतिनिधि अधिकारियों को हर सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर है। ढमोला नदी से होने वाले नुकसान पर सभी जनप्रतिनिधियों ने चिन्ता व्यक्त की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, नगर आयुक्त संजय चौहान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, एसपी ग्रामीण सागर जैन, नकुड विधायक प्रतिनिधि विकेश चौधरी, विधायक सहारनपुर देहात प्रतिनिधि विपिन जैन, समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सात जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव का हुआ शुभारम्भ

एक पेड माँ के नाम, प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड जरूर लगाना चाहिए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, सात जुलाई 2024 तक आयोजित होने वाले वन महोत्सव के अवसर पर शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर की मोहण्ड़ रेंज के अर्न्तगत वन निगम डिपो, खजनावर में प्रभागीय वनाधिकारी, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर सुश्री श्वेता सैन के मार्ग निर्देशन में वन महोत्सव संगोष्ठी एंव पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती राखी पुण्डीर, ब्लाक प्रमुख, मुजफ्फराबाद एवं योगेश पुण्डीर, प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख मुजफ्फराबाद, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष दुष्यंत राणा, किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष बॉबी राणा, शिवालिक वन प्रभाग के उप प्रभागीय वनाधिकारी राकेश चन्द्र यादव तथा क्षेत्रीय वनाधिकारी मोहण्ड द्वारा विभागीय कर्मचारियो एंव स्थानीय ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। योगेश पुण्डीर ने बताया कि वन हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है जिसकी सुरक्षा करना हमारा कर्तव्य है, बिना वनो के जीवन संम्भव नहीं है, भारत सरकार द्वारा दिये गये इस वर्ष की थीम एक पेड, माँ के नाम के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड जरूर लगाना चाहिए। क्षेत्रीय वनाधिकारी मोहण्ड एम0के0बलोदी ने भी पर्यावरण एंव वनो के संबध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिवालिक वन प्रभाग की उप प्रभागीय वनाधिकारी राकेश चन्द्र यादव द्वारा भी पेड लगाओ-पेड बचाओ अभियान के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुये बताया गया कि इस वर्ष भयकर गर्मी पडने का कारण भी वनो का घटता आवरण है, वन प्राकृतिक सन्तुलन बनाने के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिसकी सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी हैं। कार्यक्रम समापन से पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगेश पुण्डीर द्वारा हरि-शंकरी वाटिका का रोपण किया गया। उक्त कार्यक्रम में वन

विभाग एवं वन निगम के अधिकारी/कर्मचारी तथा स्थानीय ग्रामीणों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मोहण्ड रेंज के अन्तर्गत अपरान्ह में सुश्री श्वेता सैन, प्रभागीय वनाधिकारी सहित प्रभागीय कार्यालय एवं फील्ड के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा एक पेड, माँ के नाम रोपित किया गया, अधिकारी/कर्मचारी द्वारा रोपित पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। वन महोत्सव 2024 के अवसर पर शिवालिक वन प्रभाग की बड़कला रेंज के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय, रहना में पौधारोपण का कार्यक्रम में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यत: आवंला, कटहल, आम आदि प्रजाति के पौधो का रोपण किया गया, वन महोत्सव पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाबूराम, ग्राम प्रधान रहना, अध्यापक, छात्र-छात्राओं, स्थानीय ग्रामीण, क्षेत्रीय वन अधिकारी व वन कर्मी सहित लगभग 35 जनमानस उपस्थित रहे। प्रभाग की शाकुम्भरी रेंज के अन्तर्गत बडकला वन चौकी के निकट वन महोत्सव कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसमें आम, आवंला, गुटेल, कंजी प्रजातियों के पौधो का रोपण किया गया, वन महोत्सव पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय सिंह, भूतपूर्व ग्राम प्रधान रामपुर बडकला, स्थानीय ग्रामीण, क्षेत्रीय वन अधिकारी, शाकुम्भरी, व वन कर्मी सहित उपस्थित रहे। वन महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत शाकुम्भरी रेंज के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा एक पेड मॉ के नाम के नाम रोपित किया गया है, स्टाप द्वारा रोपित पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। वन महोत्सव के अवसर पर सामाजिक वानिकी प्रभाग, सहारनपुर की सहारनपुर रेंज (जे0वी0जैन इन्टर कालेज सहारनपुर)में पुनीत त्यागी, महानगर अध्यक्ष के द्वारा पौधारोपण व नकुड रेंज (सहारनपुर-अम्बाला रेल मार्ग किमी0 198) में ग्राम प्रधान जलालपुर पवित्र आनन्द द्वारा पौधरोपण किया गया। देवबन्द् रेंज(देवबन्द रेंज परिसर में) मुख्य अतिथि महेन्द्र सैनी, जिलाअध्यक्ष द्वारा पौधारोपण किया गया। प्रभागीय निदेशक प्रभाग, सहारनपुर शुभम सिंह के मार्ग निर्देशन में वन महोत्सव संगोष्ठी एंव पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पुनीत त्यागी , महानगर अध्यक्ष व सहारनपुर वन प्रभाग के उप प्रभागीय वनाधिकारी श्रीमति संवेदना चौहान तथा क्षेत्रीय वनाधिकारी सहारनपुर द्वारा विभागीय कर्मचारियो एंव स्थानीय ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। भारत सरकार द्वारा दिये गये इस वर्ष की थीम एक पेड, माँ के नाम के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड जरूर लगाना चाहिए।

खनियाधाना पुलिस की बड़ी कार्यवाही

करीब 1,50,000 रुपये की शराब व शराब बनाने फैक्टी व सामान पकड़ा

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ ।
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना पुलिस ने अवैध शराब माफियाओं पर बड़ी कार्यवाही कर लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये की शराब और शराब बनाने का सामान जप्त किया है। जानकारी के अनुसार खनियाधाना पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गूढ़र कंजर डैरा पर धर्मेन्द्र कंजर अवैध रुप से शराब उतार रहा है तथा भारी मात्रा मे अवैध रुप से शराब बिक्री करने के लिये रखे हुये है सूचना पर खनियाधाना पुलिस ने गूढ़र कंजर डैरा पर

दविश दी तो आरोपी धर्मेन्द्र कंजर मौके से फरार हो गया पुलिस को मौके पर एक भट्टी मिली जिस पर शराब निकाली जा रही थी पुलिस ने मौके से 150 लीटर शराब से भरा ड्रम , 6 खाली ड्रम और एक लोहे की शराब बनाने की भट्टी बरामद की । पुलिस ने एक महिला और आरोपी पर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया।

अंतर्राज्यीय कुख्यात अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पेट्रोल पंप पर डकैती की बना रहे ते योजना

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ।
शिवपुरी, शिवपुरी जिले की सिरसौद, बैराड़ व गोपालपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पैट्रोल पम्प पर डकैती डालने की योजना व तैयारी करते हुए अंतर्राज्यीय शातिर कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पोहरी एसडीओपी सुजीत सिंह भदौरिया ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी देते हुए बताया कि पाँच हाथियार बंद बदमाशो द्वारा सिरसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत डकैती डालने की योजना व तैयारी करने की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी सिरसौद मुकेश दुबोलिया व उनके साथ दो और थानों की टीम प्रियंका पाराशर थाना

प्रभारी गोपालपुर और बैराड से सब इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र शिवहरे व उनकी टीम द्वारा रात्रि में पल्स फार्म पर बनी पुरानी खण्डहर बिल्डिग ग्राम राजा की मुडैरी के पास में घेराबंदी कर कुल तीन बदमाशों को पकडकर उनसे पूछताछ की तो तीनों के द्धारा ग्राम राजा की मुडैरी में जादौन पैट्रोल पम्प पर डकैती डालने की तैयारी करना बताया व अन्य 02 साथियों का अंधेरे का फायदा उठाकर भागना बताया उक्त तीनों आरोपियों के कब्जे से दो 315 बोर के लोडेड कटटे व एक लोहे की नुकीली सब्बल बरामद हुई। जानकारी के अनुसार इन आरोपियों पर पूर्व के भी लूट हत्या, नकबजनी के कई संगीत अपराध दर्ज है।

बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं के प्रति दिए गए बयान की कड़े शब्दों में निंदा की

राहुल गांधी का बयान कांग्रेस की हिंदुओं के प्रति क्या मानसिकता है उसको दर्शाता है : विकास त्यागी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।
सहारनपुर । देवबंद, बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं के प्रति दिए गए बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि राहुल गांधी का यह बयान कांग्रेस की हिंदुओं के प्रति क्या मानसिकता है उसको दर्शाता है। राहुल गांधी ने अपने बयान में हिंदुओं को हिंसक कहा था जिसके पर बजरंग दल नेता विकास त्यागी ने कहा है कि कांग्रेस की शुरू से ही मानसिकता हिंदुओं के प्रति घृणा फैलने वाली रही है इससे पूर्व भी कांग्रेस ने रामसेतु को तोड़ना, रामायण महाभारत को काल्पनिक बताना, भगवा को आतंकवादी बोलना, यह सब कांग्रेस नेताओं की हिंदुओं के प्रति भाषा रही है। विकास त्यागी ने कहा है कि वह राहुल गांधी के इस बयान की कड़े शब्दों में घोर निंदा करते है। उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी को बता देना चाहते है कि यदि हिंदू हिंसक होता तो भारत का बंटवारा न होता, यदि हिंदू हिंसक होता तो कश्मीर में

हिंदुओं को पलायन न होता, यदि हिंदू हिंसक होता तो आतंकवाद के कारण आज हिंदुओं का काल्लेआम न होता, हिंदू तो संपूर्ण विश्व में क्या पूरे ब्रह्मांड में ही शांति चाहता है और जिसका वह पालन करता भी है इसीलिए राहुल गांधी सहित पूरी कांग्रेस पार्टी को हिंदुओं के प्रति दिए गए बयान पर तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की

परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्धता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में जनपद में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में सरसावा एयरपोर्ट में सिविल टर्मिनल का कार्य, माँ शाकम्भरी विश्वविद्यालय के भवनों का निर्माण कार्य, स्पोर्टस कॉलेज बेहट, दिल्ली-सहारनपुर-यमुनौत्री राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 709बी, दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून छः लेन इकोनोमिक कॉरिडोर, दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के सहारनपुर बाईपास से गणेशपुर तक, रा0रा0-344 बीजी दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून आर्थिक गलियारे से हरिद्वार के लिए, शामली-अम्बाला 06 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवें आदि महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को

समय से पूरा कराया जाए। निर्माण कार्य मे देरी होने से परियोजना की जहां लागत बढ़ती है वहीं पर उसका लाभ भी जनता को समय से नहीं मिल पाता है। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित विभाग द्वारा शासन स्तर पर पत्राचार किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महान सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री प्रसाद ने जनसुनवाई में पहुंचे लोगों की सुनी समस्याएं

जनसुनवाई में आए 129 आवेदन

कटनी - कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार 2 जुलाई को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अवि प्रसाद ने नागरिकों की समस्याएं धेर्य से सुनी। उन्होंने जनसुनवाई में दूर- दराज से पहुंचे लोगों के आवेदन लिए और समय-सीमा में निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कई आवेदकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान कुल 129 आवेदन आये। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ श्री शिशिर गेमावत, संयुक्त कलेक्टर संस्कृति शर्मा, डिप्टी कलेक्टर द्धय प्रमोद चतुर्वेदी, विवेक गुप्ता ने भी लोगों के आवेदन लिये और उनकी समस्याएं सुनी।ग्राम भिटौनी तहसील कटनी से आई प्रीति बाई पति बृजकिशोर लुनिया ने आवेदन देकर बताया कि उसके द्वारा 34 सैकडा 20 गड्डी तेंदू पत्ता तोडा गया था जिसकी राशि का भुगतान आज तक नहीं हुआ है। इस पर कलेक्टर श्री प्रसाद ने वन विभाग के अधिकारी को प्रकरण की जांच कर तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ही भगवान दास चौधरी वार्ड क्रमांक 45 अमीरगंज कटनी ने विगत 7 माह से बंद वृद्धावस्था पेंशन को पुन: चालू कराये जाने हेतु आवेदन दिया जिस पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर अवि प्रसाद ने त्वरित कार्यवाही हेतु नगर निगम के अधिकारी को निर्देशित किया।जनसुनवाई में ही वंदना बर्मन द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि अपने बेटे अमर बर्मन का आर.टी.ई के तहत स्कूल मे प्रवेश हेतु फार्म भरकर सत्यापित कराया गया था किंतु अधिकारी द्वारा फॉर्म को कंप्यूटर पर फॉरवर्ड नहीं किये जाने के वजह से बच्चे का एडमिशन आरटीई के तहत नहीं हो सका। जिस पर कलेक्टर श्री प्रसाद ने सुनवाई उपरांत जिला परियोजना समन्वयक को प्रकरण की जॉच कर विधिवत कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम भूला से आए सत्येन्द्र सिंह पिता स्वर्गीय रणजीत सिंह द्वारा शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर पदस्थ पिता रणजीत सिंह की मृत्यु के पश्चात अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने हेतु आवेदन दिया जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम देवरी हटाई निवासी आवेदिका पूना बाई कोल श्रम विभाग की संबल योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि प्रदान करनें, आवेदक रवि प्रकाश सेन द्वारा खाद्य आपूर्ति विभाग से संबंधित आपरेटर बृजकिशोर यादव द्वारा धान खरीदी केन्द्र बकलेहटा में फर्जी तरीके से धान चढ़ाकर हड़पी राशि को वापस दिलाने, आवेदक अनिल कुमार ग्राम रैपुरा द्वारा गेंहू की राशि का भुगतान कराने सहित सामाजिक न्याय विभाग, राजस्व विद्युत विभाग, पीएचई विभाग, महिला सशक्तिकरण विभाग से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए थे। जिस पर कलेक्टर ने त्वरित निराकरण के लिये संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिला शिक्षा

अधिकारी पी.पी.सिंह, श्रम अधिकारी के.बी.मिश्रा, तहसीलदार नेहा जैन, जिला संयोजक पूजा द्विवेदी, सहायक संचालक वनश्री कुर्वेती, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत मृगेन्द्र सिंह सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत लाया जाएगा मुंबई आतंकवादी हमले का आरोपी तहव्वुर राणा

अमेरिकी अदालत ने दी इजाजत

वाशिंगटन: मुंबई में 2008 के आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के लिए भारत में वांछित अपराधी तहव्वुर राणा को अमेरिका-भारत प्रत्यर्पण संधि के स्पष्ट प्रावधानों के तहत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अमेरिका के एक अटॉर्नी ने एक संघीय अदालत में यह बात कही। सहायक अमेरिकी अटॉर्नी, आपराधिक अपील प्रमुख ब्राम एल्डेन अमेरिकी की एक अदालत में अंतिम दलीलें दे रहे थे जहां राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की है। कैलिफोर्निया की अदालत ने बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को अस्वीकार कर दिया था। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी राणा (63) ने मई में अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका दायर की थी। अदालत ने मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी को भारत प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। एल्डेन ने कहा, ''राणा को संधि के स्पष्ट प्रावधानों के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है और भारत ने आतंकवादी हमलों में उसकी भूमिका के लिए उस पर मुकदमा चलाने की संभावित वजह साबित की है। इन हमलों में 166 लोगों की मौत हो गयी थी तथा 239 लोग घायल हुए थे। एल्डेन ने पांच जून को अदालत में दलीलें पेश करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका दोनों संधि के प्रावधान पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा, ''दोनों पक्षों ने अब कहा है कि इस प्रावधान की व्याख्या अपराध के तत्वों के आधार पर की जानी चाहिए न कि उन अपराधों के अंतर्निहित आचरण के आधार पर। अभी लॉस एंजिलिस की जेल में बंद राणा मुंबई हमलों में अपनी संलिप्तता के आरोपों का सामना कर रहा है और उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का साथी माना जाता है जो 26/11 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। राणा की पैरवी कर रहे वकील जॉन डी क्लाइन ने कहा कि संभावित वजह का समर्थन करने वाला कोई उचित सबूत नहीं है। एल्डेन ने कहा कि संभावित वजह का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सबूत है कि राणा जानता था कि 2006 और 2008 के बीच भारत में क्या होने जा रहा है। उन्होंने कहा, ''उसने कई बार डेविड हेडली से मुलाकात की। ऐसे दस्तावेजी सबूत हैं जो हेडली की गवाही का समर्थन करते हैं, जिसमें नकली वीज़ा आवेदन भी शामिल हैं जो इसलिए दिए गए थे कि हेडली आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए निगरानी करने के वास्ते भारत में एक फर्जी व्यवसाय संचालित कर सके। मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत कुल 166 लोगों की मौत हुई थी। मुंबई में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक हमलों को अंजाम दिया और शहर के कई प्रमुख स्थानों पर लोगों की हत्या की।

जेलेंस्की से बातचीत करने के लिए यूक्रेन पहुंचे हंगरी के प्रधानमंत्री ओरबन

इंटरनेशनल डेस्क: हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत करने के लिए मंगलवार को कीव पहुंचे। रूस के यूक्रेन पर फरवरी 2022 में हमला करने के बाद से यह युद्धग्रस्त देश की उनकी पहली यात्रा है। ओरबन के प्रेस प्रमुख बर्तालन हवासी ने हंगरी की समाचार एजेंसी 'एमटीआईसे बातचीत में पुष्टि की कि प्रधानमंत्री बातचीत के लिए सुबह यूक्रेन की राजधानी पहुंचे।

उन्होंने बताया कि बातचीत का मुख्य विषय यूक्रेन और रूस के युद्ध के बीच शांति बहाल करना होगा। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हंगरी ने बारी-बारी से मिलने वाली यूरोपीय संघ की छह महीने की अध्यक्षता संभाल ली है। हंगरी के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे यूरोपीय संघ के कुछ सांसदों की चिंताओं के बावजूद इस भूमिका में ''ईमानदार वार्ताकारों के तौर पर काम करेंगे। यूरोपीय संघ के कुछ सांसदों का कहना है कि हंगरी का लोकतांत्रिक इतिहास उसे इस समूह का नेतृत्व करने के अयोग्य बनाता है।

ओरबन को यूरोपीय संघ में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का करीबी सहयोगी माना जाता है और उन्होंने यूक्रेन को सहायता देने के यूरोपीय संघ के प्रयासों में कई बार रोड़े अटकाए हैं। वह कीव पर यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्र जकारपट्टिया में हंगरी के जातीय अल्पसंख्यकों से दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते रहे हैं। यूरोपीय संघ के ओरबन के कई साझेदार उन पर अपने देश में लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट करने का आरोप लगाते रहे हैं।

IMD ने दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया, बारिश के बीच गुजरात में रेड अलर्ट

नेशनल डेस्क: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मध्यम से भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच मंगलवार और बुधवार को उत्तर भारत के 15 रायों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। गुजरात के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया क्योंकि आईएमडी ने इस सप्ताह देश पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के हावी होने के बाद 3 जुलाई को राय में अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान लगाया है।

3 जुलाई को पूर्वोत्तर रायों के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया था, मौसम एजेंसी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई इलाकों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की थी। उम्मीद है कि बुधवार को दिल्ली में मध्यम से भारी बारिश होगी, क्योंकि मंगलवार को छिटपुट बारिश के बाद राष्ट्रीय राजधानी कई इलाकों में जलभराव की समस्या से जूझ रही है। मौसम कार्यालय ने आज सुबह गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ मध्यम से भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम व मेघालय में 4 जून तक के लिए, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 05 जुलाई तक के लिए, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक में 06 जुलाई तक के लिए बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 3 जुलाई के लिए ऑरेंज अलर्ट है। पिछले सप्ताह पूर्वोत्तर रायों में सामान्य से अधिक बारिश हो रही है, जिससे कुछ क्षेत्रों में भारी बाढ़, भूस्खलन और जलभराव हो गया है। अरुणाचल प्रदेश में नदियां अब खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं, जबकि असम और मणिपुर में बाढ़ से सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मौसम एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने निर्धारित समय से 6 दिन पहले 2 जुलाई को पूरे देश को कवर कर लिया, जबकि जून में देरी से प्रगति हुई थी, जब देश गर्मी की लहर से जूझ रहा था। केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में मानसून सामान्य से दो और छह दिन पहले 30 मई को पहुंचा।

IMD ने एक बयान में कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून आज राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इस प्रकार, इसने 8 जुलाई की सामान्य तारीख के मुकाबले 2 जुलाई, 2024 को पूरे देश को कवर किया।

भारत, लाओस ने हवाई संपर्क वार्ता के बीच बढ़ाया पर्यटन सहयोग

कहा- हमारा लक्ष्य मजबूत संबंध स्थापित करना

इंटरनेशनल डेस्क: विरासत स्थलों और दर्शनीय स्थलों से परिपूर्ण दक्षिण एशियाई देश लाओस ने अधिक पर्यटकों, विशेषकर भारत को आकर्षित करने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं और रणनीतिक पहल की हैं। लाओस के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय के महानिदेशक खोम दोआंगचंटा ने सोमवार को 2024 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं का अनावरण किया, जिसमें दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में आगंतुकों के लिए विविध पर्यटन पेशकशों और रणनीतिक पहलों पर प्रकाश डाला गया।

दोआंगचंटा ने संवाददाताओं से कहा, इस साल, हमने जनवरी से दिसंबर तक 77 पर्यटन गतिविधियों की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य हमारी राजधानी और 17 प्रांतों की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों को प्रदर्शित करना है। उन्होंने लाओस के पर्यटन स्थल के रूप में इसके आकर्षण को बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की महत्वपूर्ण उपस्थिति को स्वीकार करते हुए, डोआंगचांटा ने कहा, भारत न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि आसियान के भीतर भी एक प्रमुख बाजार है। 2023 में, हमने लगभग 14,000 भारतीय आगंतुकों का स्वागत किया, और अकेले 2024 की पहली तिमाही में, 4,000 से अधिक भारतीयों ने लाओस का दौरा किया।

वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की महत्वपूर्ण उपस्थिति को स्वीकार करते हुए, डोआंग चांटा ने कहा, भारत न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि आसियान के भीतर भी एक प्रमुख बाजार है। 2023 में, हमने लगभग 14,000 भारतीय आगंतुकों का स्वागत किया, और अकेले 2024 की पहली तिमाही में, 4,000 से अधिक भारतीयों ने लाओस का दौरा किया। दोआंगचांटा ने पर्यटन को बढ़ावा देने में लाओस और भारत के बीच द्विपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया, हमारा पर्यटन मंत्रालय भारत के पर्यटन मंत्रालय के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। साथ मिलकर, हम पर्यटन के अवसरों को बढ़ाने के लिए आसियान पर्यटन मंच जैसे मंचों में भाग लेते हैं।

अपने सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, दोआंगचंटा ने कहा, हमने भारतीय मीडिया को लाओस के पर्यटन आकर्षणों का प्रत्यक्ष अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया है। उनकी सकारात्मक कवरेज से जागरूकता बढ़ाने और लाओस में अधिक भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। लाओस और भारत के बीच यात्रा को प्रभावित करने वाली हवाई संपर्क चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर, दोआंग चांटा ने भविष्य के विकास के बारे में आशा व्यक्त की। पर्यटन के लिए प्रभावी हवाई संपर्क महत्वपूर्ण है। लाओस और भारतीय एयरलाइनों के बीच चर्चाएँ जारी हैं। हम अपने देशों के बीच संपर्क को बेहतर बनाने और यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित कर रहे हैं, उन्होंने विस्तार से बताया।

हमारा लक्ष्य मजबूत संबंध स्थापित करना- दोआंगचंटा

भविष्य को देखते हुए, दोआंग चांटा ने मजबूत एयरलाइन भागीदारी की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य मजबूत कनेक्शन स्थापित करना है जो भारतीय आगंतुकों के लिए लाओस और इसके विपरीत यात्रा को आसान बनाएगा। इससे हमारे देशों के बीच पर्यटन आदान-प्रदान को काफी बढ़ावा मिलेगा। लाओस चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ है और इसका उत्तरी पड़ोसी चीन है, तथा वियतनाम देश के उत्तर-पूर्व और पूर्व में स्थित है। लाओस के दक्षिण में कंबोडिया है, जबकि थाईलैंड इसके पश्चिम में और म्यांमार इसके उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

पड़ोसी के घर पर खेलने गई 3 साल की मासूम...शराब के नशे में धुत्त लड़के ने किया बलात्कार

नेशनल डेस्क: एक तीन साल की बच्ची के साथ एक युवक ने कथित तौर पर बलात्कार किया। यह घटना उस समय हुई जब बच्ची आरोपी के घर पर खेलने गई थी। ओडिशा के भुवनेश्वर में यह वारदात हुई। घटना को अंजाम देने के बाद से फरार 23 वर्षीय आरोपी संतोष खुंटिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, जब बच्ची खेलने के लिए खुंटिया के घर आई तो कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। शराब के नशे में धुत संतोष खुंटिया ने तीन साल के बच्चे के साथ दुष्कर्म किया। भुवनेश्वर के डीसीपी प्रतीक सिंह ने कहा कि जब लड़की घर नहीं लौटी तो उसके परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, जिसके बाद उसे बचा लिया गया।

बच्ची को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उसकी शारीरिक स्थिति अब स्थिर है। परिवार को सूचित किए जाने के बाद, एक विशेष पुलिस टीम अपराध स्थल पर पहुंची, आरोपी को पास के पिपिली इलाके में खोजा और 24 घंटे के भीतर उसे पकड़ लिया। यह भी पाया गया कि ड्राइवर के रूप में काम करने वाले आरोपी ने पीड़िता की मां को भी धमकी दी थी। पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि फोरेंसिक टीमों ने महत्वपूर्ण सबूत सुरक्षित कर लिए हैं और जांच जारी है।

ट्रंप के साथ बहस के दौरान बिडेन को आई नींद

ट्रेवल के कारण जेट लैग को ठहराया जिम्मेदार

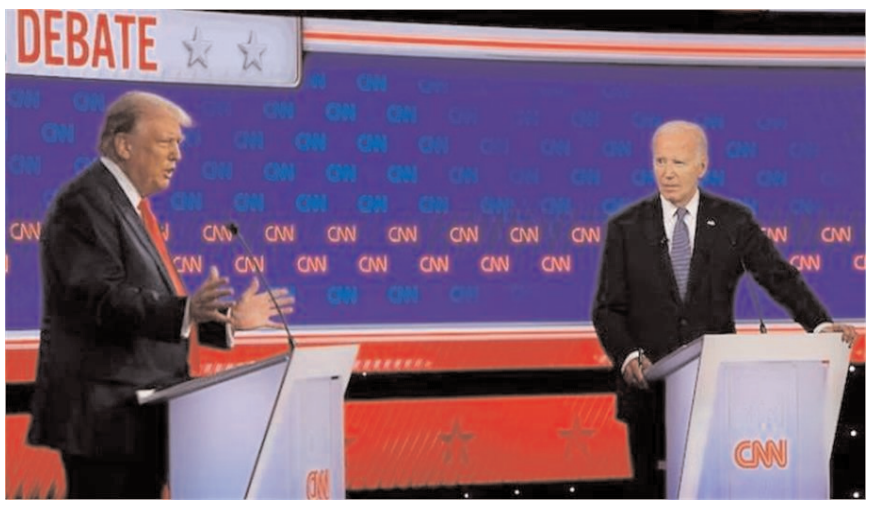

नेशनल डेस्क: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने स्वीकार किया है कि पिछले सप्ताह अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई भयावह बहस के दौरान वे लगभग सो गए थे और कहा कि उनका कमज़ोर प्रदर्शन दुनिया भर में कई बार यात्रा करने और लगभग 100 टाइम ज़ोन से गुज़रने के कारण जेट लैग के कारण हुआ था। 81 वर्षीय बिडेन ने यह बात बहस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेट्स के दबाव के बीच कही है, साथ ही नवंबर में चुनाव के बाद सत्ता में वापस आने पर चार और साल तक पद पर बने रहने की उनकी संज्ञानात्मक क्षमता पर बढ़ते सवालों के बीच कही है।

मंगलवार को मैकलीन, वर्जीनिया में एक अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरी रात अच्छी नहीं रही। मैं बहुत होशियार नहीं था। मैंने बहस से पहले दुनिया भर में दो बार यात्रा करने का फैसला किया, जिसमें मैंने लगभग 100 समय क्षेत्रों का दौरा किया। मैंने अपने स्टाफ की बात नहीं सुनी और वापस आकर मंच पर ही सो गया... यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन यह एक स्पष्टीकरण है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बिडेन ने जून में सिर्फ़ दो हफ़्तों के अंतराल में फ्रांस और इटली की यात्रा की और फिर इटली के बारी में जी7 शिखर सम्मेलन से रातों-रात लॉस एंजिल्स के लिए उड़ान भरी, जहाँ वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ एक फ़ंडरेज़र कार्यक्रम में शामिल हुए। 27 जून की बहस से पहले, उन्होंने इस आयोजन की तैयारी के लिए वाशिंगटन डी.सी. के पास कैंप डेविड में छह दिन बिताए, जो अमेरिकी राष्ट्रपतियों के लिए देश का एकांतवास है।

व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बिडेन के खराब प्रदर्शन के लिए सर्दी को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन उनका फिर से चुनाव अभियान उम्र के कारक को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। बिडेन, जो पहले से ही सबसे उम्रदराज अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, अगर वे 5 नवंबर को चुनाव जीतते हैं तो अगले साल शपथ लेने तक उनकी उम्र 82 हो जाएगी। मंगलवार को, एक नए रॉयटर्स/इप्सोस सर्वेक्षण से पता चला कि तीन में से एक डेमोक्रेट ने सोचा कि बहस के बाद बिडेन को फिर से चुनाव लड़ने की अपनी बोली समाप्त कर देनी चाहिए।

सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 78 वर्षीय ट्रम्प और बिडेन को पंजीकृत मतदाताओं के 40 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है, जो यह दर्शाता है कि बहस के बाद से बिडेन ने अपनी जमीन नहीं खोई है। इस बीच, सोमवार को जारी सीबीएस न्यूज के सर्वेक्षण में पाया गया कि 45 प्रतिशत डेमोक्रेट चाहते हैं कि बिडेन पद छोड़ दें। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सांसद लॉयड डॉगेट पार्टी में पहले व्यक्ति बन गए जिन्होंने सार्वजनिक रूप से बिडेन को पद छोड़ने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की बहस की पराजय उनकी कई उपलब्धियों का प्रभावी ढंग से बचाव करने में विफल रही।

मंगलवार को एक बयान में, डॉगेट ने कहा, इन मजबूत आरक्षणों को सार्वजनिक करने का मेरा निर्णय हल्के में नहीं लिया गया है और न ही यह किसी भी तरह से राष्ट्रपति बिडेन द्वारा हासिल की गई सभी उपलब्धियों के प्रति मेरे सम्मान को कम करता है। यह स्वीकार करते हुए कि, ट्रम्प के विपरीत, राष्ट्रपति बिडेन की पहली प्रतिबद्धता हमेशा हमारे देश के प्रति रही है, न कि खुद के प्रति, मुझे उम्मीद है कि वह पीछे हटने का दर्दनाक और कठिन निर्णय लेंगे। मैं सम्मानपूर्वक उनसे ऐसा करने का आह्वान करता हूँ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569